RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | बुधवार, 18 फरवरी 2026 | वर्ष: 03, अंक: 342 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

हमने भारत-फ्रांस रिश्तों को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया: मोदी

राफेल जेट डील और एआई सहयोग पर रहा फोकस, भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की गई

मुंबई/एजेंसी

भारत दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने मंगलवार को मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान, दोनों नेताओं में गर्मजोशी देखने को मिली। मैक्रों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोऑपरेशन और एक संभावित मल्टीबिलियन डॉलर डसॉल्ड राफेल फाइटर जेट डील पर फोकस करते हुए तीन दिवसीय भारत दौरे पर हैं। फ्रांस नई दिल्ली के साथ अपनी मिलिट्री पार्टनरशिप बढ़ाना चाहता है। दोनों नेता लीडर रीजनल और ग्लोबल मुद्दों पर भी अपने विचार साझा किया और इंडिया-फ्रांस स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप में प्रोग्रेस का रिव्यू किया।

पीएम मोदी-मैक्रों की मुलाकात

प्रधानमंत्री मोदी, मैक्रों से मुलाकात के लिए मुंबई पहुंचे। 2017 के बाद से मैक्रों का यह चौथा भारत दौरा है। फ्रांस के प्रेसिडेंट का यह दौरा पिछले हफ्ते भारत के इस कन्फर्मेशन के बाद हो रहा है वह राफेल जेट के लिए बड़ा ऑर्डर देने का इरादा रखता है, साथ ही जनवरी में इंडिया और यूरोपियन यूनियन के बीच एक लैंडमार्क फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर साइन किया गया है।

फ्रांस के राष्ट्रपति के मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि मुंबई में अपने दोस्त, प्रेसिडेंट मैक्रों से मिलकर बहुत खुशी हुई! उन्होंने मुझे बताया कि उन्हें यह शहर बहुत पसंद है और उन्होंने दिन में पहले की अपनी दौड़ का भी मजा लिया।

प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की

पीएम नरेंद्र मोदी ने मुंबई के लोक भवन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक की। बैठक में दोनों नेताओं ने भारत और फ्रांस के बीच संबंधों को और मजबूत करने पर चर्चा की। रक्षा, व्यापार, निवेश, नई तकनीक और ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के मुद्दों पर बातचीत हुई। इस दौरान दोनों देशों ने साझेदारी को आगे बढ़ाने और मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक को गर्मजोशी और मित्रवत माहौल में सम्पन्न बताया जा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत फ्रांस की साझेदारी एक फोर्स फॉर ग्लोबल स्टैबिलिटी है।

भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंध विशेष और अद्वितीय हैं- मैक्रों

पीएम मोदी के बाद फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपने संबोधन में सबसे पहले भारत में अपने चौथे औपचारिक दौरे के दौरान गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच द्विपक्षीय संबंध विशेष और अद्वितीय हैं, जो विश्वास, पारदर्शिता और महत्वाकांक्षा पर आधारित हैं।

यूक्रेन, पश्चिम एशिया तनाव का किया जिक्र

छात्रों के रिसर्चर्स के आदान प्रदान को और सुगम करने पर जोर

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने आगे कहा कि अब हम अपनी कूटनीतिक साझेदारी को हमारे लोगों की साझेदारी बनाने जा रहे हैं। रक्षा या स्वच्छ ऊर्जा हो या स्पेस हम सब जगह अपने उद्योग को कनेक्ट करेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारे छात्र-रिसर्चर्स के आदान प्रदान को और सुगम करेंगे। इसके अलावा जॉइंट इनोवेशन के नए सेंटर तैयार करेंगे। हम क्रिटिकल मिनरल्स, बायोटेक्नोलॉजी में अपना सहयोग मजबूत कर रहे हैं। फ्रांसे के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ बैठक के बाद पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत फ्रांस साझेदारी की कोई सीमा नहीं है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत फ्रांस की साझेदारी एक फोर्स फॉर ग्लोबल स्टैबिलिटी है। हम बहुपक्षीय डायलॉग पर जोर देना जारी रखेंगे। हम एकमत हैं कि वैश्विक संस्थानों के सुधारों से ही वैश्विक चुनौतियों का समाधान निकलेगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन, पश्चिमी एशिया या वैश्विक दक्षिण हम हर समस्या के खात्मे के लिए साथ काम करते रहेंगे। भारत और फ्रांस दोनों ही प्राचीन और समृद्ध सभ्यताएं हैं।

आतंकवाद के खिलाफ भारत को मिला फ्रांस का साथ

मुंबई/एजेंसी

भारत दौरे पर आए फ्रांस के राष्ट्रपति ने मुंबई के ताज पैलेस में 26/11 आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आतंकवाद के सामने फ्रांस, भारत के साथ खड़ा है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, "मुंबई के ताज महल पैलेस में हमने 2008 के हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी। उनके परिवारों और प्रियजनों के लिए और भारत के लिए फ्रांस आपके साथ खड़ा है। आतंकवाद के सामने, एकता और पक्के इरादे के साथ।"

मैक्रों ने शेयर किया वीडियो

फ्रांस के राष्ट्रपति और एलीसी पैलेस के आधिकारिक अकाउंट से एक्स पर शेयर किए गए एक वीडियो में मैक्रों 2008 के हमले में मारे गए लोगों के सम्मान में मेमोरियल पर फूल चढ़ाते हुए दिखे। उन्होंने होटल में पीड़ितों की याद में कुछ देर के लिए मौन भी रखा। फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों मंगलवार को भारत के तीन दिन के आधिकारिक दौरे पर मुंबई पहुंचे। उनके इस दौरे ने भारत के लोगों के साथ फ्रांस की एकता को दिखाया। मुंबई और दुनिया को हिला देने वाले हमलों के बाद ताज महल पैलेस होटल मजबूती का एक प्रतीक बना हुआ है।

लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर का पीएम मोदी- मैक्रों ने किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कर्नाटक के वेमगल में टाटा एयरबस की एच125 लाइट यूटिलिटी हेलिकॉप्टर की अंतिम असेंबली लाइन का उद्घाटन किया। इस मौके पर दोनों नेताओं ने भारतीय रक्षा उत्पादन और रक्षा उद्योग में निजी क्षेत्र की भूमिका पर जोर दिया। एच125 हेलिकॉप्टर उत्पादन भारत में नई तकनीक और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ रक्षा निर्यात को मजबूत करने का भी मार्ग खोलता है। प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने इस परियोजना को भारत-फ्रांस साझेदारी का उदाहरण बताते हुए कहा कि यह कदम दोनों देशों के तकनीकी सहयोग और रक्षा उद्योग में आपसी सहयोग को आगे बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि यूक्रेन, पश्चिमी एशिया या वैश्विक दक्षिण हम हर समस्या के खात्मे के लिए साथ काम करते रहेंगे। भारत और फ्रांस दोनों ही प्राचीन और समृद्ध सभ्यताएं हैं।

प्रयाग माघ मेले से काशी विश्वनाथ धाम पधारे भगवान 'कुंभेश्वर महादेव', शास्त्रोक्त विधि से पूजन

वाराणसी।

सनातन धर्म की दो महान तीर्थ नगरियों काशी और प्रयाग के आध्यात्मिक समन्वय के प्रतीक, भगवान श्री कुंभेश्वर महादेव माघ मेले की पूर्णाहुति के पश्चात मंगलवार को पुनः श्री काशी विश्वनाथ धाम में विराजमान हुए। प्रयागराज त्रिवेणी तट पर लगभग 45 दिवसीय प्रवास के उपरांत सुबह उन्हें ससम्मान काशी वापस लाया गया, जहाँ उनका भव्य स्वागत और शास्त्रोक्त विधि से पूजन संपन्न हुआ।

मान्यतानुसार, श्री काशी विश्वनाथ महादेव के 'कुंभ स्नान स्वरूप' के रूप में भगवान कुंभेश्वर महादेव काशी में विराजमान रहते हैं। प्रतिवर्ष माघ मेले और कुंभ के अवसर पर वे विशेष रूप से प्रयाग क्षेत्र में विराजते हैं। इसी परंपरा के निर्वहन के लिए 01 जनवरी 2026 को श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने विधि-विधान से पूजन के उपरांत उन्हें विशेष वाहन से प्रयागराज भेजा था। वहाँ वे न्यास शिविर में निर्मित विशेष मंदिर में कल्पवासियों और देश-विदेश से आए असंख्य श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे थे।

यह जानकारी मंदिर न्यास की ओर से दी गई।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

संजय शुक्ल
चेयरमैन

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

विश्व कायस्थ संस्थान उत्तर प्रदेश इकाई की एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक संपन्न

समिति द्वारा पूर्व हाईकोर्ट न्यायाधीश सुधीर सक्सेना को सर्वसम्मति से चुना गया अध्यक्ष

हनुमान प्रसाद शुक्ल
सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊः विश्व कायस्थ संस्थान उत्तर प्रदेश इकाई की एक्जीक्यूटिव कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में पूर्व इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश सुधीर कुमार सक्सेना को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। पूर्व मुख्य सचिव श्री आलोक रंजन ने उनका नाम प्रस्तावित किया, जिसे सभी सदस्यों ने एकमत से स्वीकार किया।

नए अध्यक्ष सुधीर सक्सेना ने अपने संबोधन में कहा कि आजादी की लड़ाई से लेकर देश के विकास में कायस्थ समाज के महापुरुषों का योगदान सदैव अविस्मरणीय और गौरवपूर्ण रहा है। आज भी यह समाज राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए आगे बढ़ रहा है। कायस्थ महापुरुषों के इस योगदान पर हमें गर्व है और इन्हें स्मरण करते हुए राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लेना चाहिए।

बैठक में भगवान चित्रगुप्त महाराज की मूर्ति स्थापना के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करने का निर्णय लिया गया। यह कदम कायस्थ समाज की आस्था और

परंपरा को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है।

संस्था में अधिक से अधिक लोगों का विश्वास जगाने तथा नए सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा हुई। सभी पदाधिकारियों ने इस दिशा में सक्रिय प्रयास करने का संकल्प लिया।

होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन 21 मार्च 2026 को लखनऊ के एलएमए हॉल में किया जाएगा। यह समारोह समाज के सदस्यों के बीच भाईचारे, उत्साह और एकजुटता को बढ़ावा देने का प्रमुख अवसर साबित होगा।

इस वर्ष संस्था द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा साझा की गई। महिला प्रकोष्ठ द्वारा संचालित कार्यक्रमों की प्रगति पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।

विश्व कायस्थ संस्थान उत्तर प्रदेश इकाई कायस्थ समाज की सांस्कृतिक, सामाजिक तथा धार्मिक गतिविधियों को निरंतर बढ़ावा दे रही है।

बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने नए अध्यक्ष का हार्दिक स्वागत किया और आगामी योजनाओं को सफल बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। यह संस्था कायस्थ समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए महिलाओं को किया जागरूक

स्वाती मिश्रा
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मिशन शक्ति फेज 5.0 एवं नए आपराधिक कानूनों के प्रति व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान महिलाओं, बालिकाओं एवं आमजन को महिला संबंधी अपराधों, साइबर अपराध, बाल विवाह रोकथाम अधिनियम, गुड टच-बैड टच, आत्मरक्षा उपायों एवं शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

इस दौरान महिलाओं की समस्याएं सुनकर उनका समाधान किया गया तथा पीड़िताओं की काउंसिलिंग भी की गई। साथ ही महिला सशक्तिकरण हेतु संचालित हेल्पलाइन नंबरों– 112 पुलिस आपातकालीन सेवा, 1076 मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, 1090 वूमेन पावर हेल्पलाइन, 102 स्वास्थ्य सेवा, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन एवं 181 महिला हेल्पलाइन– के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई। महिला सहायता केंद्र, महिला हेल्पडेस्क एवं एंटी रोमियो टीम की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया गया।

गरीब मजदूरों के अधिकार की लड़ाई जारी रहेगी- अजय राय

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । लखनऊ में विधानसभा घेराव में कांग्रेसियों ने सड़कों पर संघर्ष किया उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि हम सभी कांग्रेसजन जबतक गरीबों के अधिकार के साथ ये वर्तमान भाजपा सरकार खिलवाड़ करेगी तब तब कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता इनसे सड़कों पर इसी प्रकार से हिसाब मांगेगा! आज प्रदेश और देश की जनता महंगाई से परेशान हैं युवा रोजगार के लिए दर दर भटक रहा है संतो का अपमान कर रही है यह सरकार केवल धर्म,जाति और योजनाओं के नाम बदलने में लोगों को उलझाकर उनका ध्यान दैनिक जरूरतों से हटा रही है मनरेगा जो हमारी पार्टी ने गरीबों के हित में इस योजना को चलाया लेकिन भाजपा को इससे भी परहेज है वो इस योजना का नाम बदलकर इसको भी खत्म करना चाहती है लेकिन हम इस कत्तई नहीं होने देंगे इस विशाल प्रर्दशन में राष्ट्रीय महासचिव अविनाश पाण्डेय, राज्यसभा सांसद प्रमोद तिवारी, राष्ट्रीय सचिव एवं प्रभारी प्रयागजोन राजेश तिवारी उछ्ड लीडर आराधना मिश्रा मोना,अमेठी से सांसद, किशोरी लाल शर्मा,पूर्व टछउ दीपक सिंह,पूर्व विधायक धीरज गुर्जर,राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल,मनरेगा संयोजक संजय दीक्षित,मनीष हिंदवी की उपस्थिति में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव पाण्डेय के नेतृत्व में जनपद कौशाम्बी से कई पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने विधानसभा घेराव कार्यक्रम में भाग लिया जिसमें मुख्य रूप से प्रभारी राजेश साहनी,जिला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम,अलकमा उस्मानी,रजनीश पाण्डेय,सेवादल जिलाध्यक्ष जमशेद अहमद,सोसल मीडिया जिलाध्यक्ष सचिन पाण्डेय,अमित द्विवेदी आजाद,ठरवक अध्यक्ष सैफ मंसूरी,नगर अध्यक्ष निक्की पाण्डेय,आयुष यादव,शमीम आलम,मथुरा दुबे आदि मौजूद रहे।

यूपी बोर्ड के हाईस्कूल, इण्टर की परीक्षाएं आज से, शामिल होंगे 53 लाख परीक्षार्थी

हाईस्कूल में 2761696, इंटर में 257682 परीक्षार्थी

हनुमान प्रसाद शुक्ल

प्रयागराज। एशिया की सबसे बड़ी परीक्षा संस्था माध्यमिक शिक्षा परिषद यानि यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं बुधवार 18 फरवरी बुधवार से प्रदेश के 8033 परीक्षा केन्द्रों पर होने जा रही है जो 12 मार्च तक चलेंगी। यूपी बोर्ड की 2026 की परीक्षा में हाईस्कूल के 27 लाख 61 हजार 696 और इंटरमीडिएट के 25 लाख 76 हजार 82 को मिलाकर 53 लाख 37 हजार 778 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। 20 परीक्षा केन्द्रों पर जैमर लगेगा। यूपी बोर्ड ने नकल विहीन, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से परीक्षा के लिए व्यापक तौर पर इंतजाम किए हैं।

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं दो पालियों सुबह 8:30 बजे से 11:45 बजे और शाम 2:00 बजे से 5:15 बजे तक आयोजित होंगी। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं 15 कार्य दिवसों में संपन्न कराई जाएंगी जबकि यूपी बोर्ड की 2025 की परीक्षा में 54 लाख 38 हजार 597 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। हाईस्कूल में 27 लाख 40 हजार 151 और इंटरमीडिएट में 26 लाख 98 हजार 446 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। 2025 की बोर्ड परीक्षा में कुल 8140 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।

वहीं यूपी बोर्ड की- 2026 की परीक्षाएं पूरे प्रदेश में 8033 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होने जा रही हैं। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी की निगरानी रहेगी और केंद्र व्यवस्थापकों की जवाबदेही तय की गई है। स्थानीय प्रशासन को भी सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। नकल माफियाओं और अव्यवस्था फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

यूपी बोर्ड ने प्रदेश के 18 जिले संवेदनशील घोषित किए हैं।

इनमें आगरा,मथुरा, अलीगढ़, हाथरस, एटा, कासगंज, प्रयागराज,कौशांबी, प्रतापगढ़, हरदोई, कन्नौज, आजमगढ़,बलिया, मऊ,जौनपुर, गाजीपुर, देवरिया और गोंडा शामिल है। इन जिलों में कुछ विषयों और तिथियों को अधिक संवेदनशील मानते हुए विशेष निगरानी और कड़े प्रशासनिक इंतजाम किए जा रहे हैं। यूपी बोर्ड ने 18 जिलों में 222 अति संवेदनशील और 683 संवेदनशील परीक्षा केंद्र चिन्हित किए हैं। अति संवेदनशील 20 परीक्षा केंद्रों पर जैमर लगाए जाएंगे। नकल रोकने के लिए पुलिस और यूपीएसटीएफ से भी मदद मांगी गई है। अति संवेदनशील और संवेदनशील परीक्षा केंद्रों की हर दिन कम से कम दो बार चेकिंग कराई जाएगी। नकल करते पकड़े जाने पर परीक्षार्थी के खिलाफ विभाग के नियमों के अनुसार कार्यवाही की जाएगी और उसे एक साल के लिए परीक्षा से डिबार किया जाएगा। जबकि शिक्षक, प्रबंधन या किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नकल करते पकड़े जाने पर 2024 के यूपी सरकार के नकल विरोधी कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिसमें 7 साल की सजा और एक करोड़ जुमार्ने तक का प्रावधान किया गया है।

यूपी बोर्ड ने नकल रोकने के लिए इस बार कॉपियों के लेआउट में भी बदलाव किया है।

बीपीएड को प्राथमिक शिक्षा में अनिवार्य करने की मांग, मुख्यमंत्री योगी को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। विश्व हिन्दू महासंघ के जिला मंत्री प्रद्युम्न पाण्डेय ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र देकर बी.पी.एड (बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन) पाठ्यक्रम को बेसिक/प्राथमिक शिक्षा में अनिवार्य रूप से शामिल करने की मांग रखी गई,जारी पत्र में कहा गया है कि वर्तमान समय में बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए शारीरिक शिक्षा अत्यंत आवश्यक है। कई प्राथमिक विद्यालयों में योग्य शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की कमी है, जिससे बच्चों को खेल एवं स्वास्थ्य संबंधी समुचित मार्गदर्शन नहीं मिल पा रहा है। पत्र में उल्लेख किया गया कि बी.पी.एड एक व्यापक और वैज्ञानिक पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को खेल विज्ञान, कोचिंग, शारीरिक क्रियाओं की यांत्रिकी (बायोमैकेनिक्स) तथा स्वास्थ्य शिक्षा में प्रशिक्षित करता है। यदि प्राथमिक स्तर पर बी.पी.एड योग्य शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है, तो बच्चों को बचपन से ही सही शारीरिक मार्गदर्शन और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता मिलेगी।

ज्ञापन में दो प्रमुख मांगें रखी गई हैं-पहली, बेसिक/प्राथमिक शिक्षा पाठ्यक्रम में शारीरिक शिक्षा को अनिवार्य विषय बनाया जाए; और दूसरी, इस स्तर पर बी.पी.एड योग्यताधारी शिक्षकों की नियुक्ति को प्राथमिकता दी जाए। प्रद्युम्न पाण्डेय ने कहा कि यह कदम नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों के अनुरूप होगा तथा बच्चों के समग्र विकास में मील का पत्थर साबित होगा। इसके पहले भी इनके द्वारा लगातार समाज को जागरूक किया जाता रहा है लिए।

तीन थानों की पुलिस ने चार वारण्टी आरोपी दबोचे

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सैनी पुलिस द्वारा विद्युत अधिनियम से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त हीरालाल पुत्र छेदू निवासी कोरियो थाना सैनी जनपद कौशाम्बी व एनआई एक्ट से सम्बधित वारण्टी अभियुक्त मो0 हसन पुत्र मो0 अनीस निवासी परास थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया। इसी प्रकार थाना महेवाघाट घाट पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार किए। इसी प्रकार थाना सराय अकिल ने भी एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना कल्याणपुर पुलिस क्षेत्र के एक नाबालिक किशोरी को बाला फुसलाकर उसके साथ दुराचार करने वाले वांछित आरोपी को मंगलवार गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक कल्याणपुर ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश की जा रही थी इसी बीच मुखबिर की सूचना पर नाबालिक को पहले फुसलाकर दुष्कर्म करने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी सरजीत पुत्र कल्लू निवासी गुगौली थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 19 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

मंडलायुक्त ने दिए कड़ी कार्रवाई के निर्देश

मण्डलीय समीक्षा बैठक में मिली अफसरों की लापरवाही

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मण्डलायुक्त सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में मंगलवार को गांधी सभागार में विकास कार्यों की मण्डलीय समीक्षा बैठक में अफसरों की लापरवाही दिखी। मण्डलायुक्त ने कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए एक्शन भी लिया है। इस दौरान उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना, दशमोत्तर, पूर्व दशमोत्तर छात्रवृत्ति, प्रतिपूर्ति योजना, पीएम कुसुम योजना, एनआरएलएम योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, जलजीवन मिशन, फैमिली आईडी, 15वां वित्त आयोग, शादी अनुदान योजना, आईसीडीएस पोषण अभियान, नई सड़कों का निर्माण, ओडीओपी टूलकिट योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना, बेसिक शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन, नमामि गंगे सहित अन्य योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की। सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति न पाये जाने पर सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

पीएम सूर्यघर योजना के प्रगति की समीक्षा करते हुए मण्डलायुक्त ने प्रयागराज की प्रगति खराब पाये जाने पर विद्युत विभाग से समन्वय करते हुए सोलर रूफटाफ स्थापना को शत-प्रतिशत सुनिश्चित किए जाने का निर्देश दिया। उन्होंने वेण्डरों के साथ बैठक करते हुए कार्यों में तेजी लाये जाने के लिए कहा है।

जनपद कौशाम्बी एवं प्रतापगढ़ जनपद को भी कार्यों में तेजी लाते हुए ए श्रेणी की रैकिंग प्राप्त किए जाने के लिए कहा है। दशमोत्तर, पूर्व दशमोत्तर छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की समीक्षा में जनपद प्रयागराज व कौशाम्बी की प्रगति ठीक न पाये जाने पर मण्डलायुक्त ने समाज कल्याण, अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अधिकारियों को शिक्षण संस्थाओं के साथ बैठक करते हुए इसमें तेजी लाये जाने का निर्देश दिए।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने युवा(ऐ .आई)हैकाथॉन में सम्मिलित हजारों युवाओं को किया सम्बोधित

सबसे तेज प्रयागराज

नई दिल्ली। मंगलवार को केंद्रीय रेल सूचना प्रसारण इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना टेक्नोलॉजी मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा नई दिल्ली के भारत मंडपम में ऐ आई इम्पैक्ट समिट के युवा ऐ आई हैकाथॉन प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाले लगभग तीन हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स से बातचीत की। पूरे भारत के स्टूडेंट्स ने डोमेन-बेस्ड,लोकल ऐ आई सॉल्यूशन शेयर किए, जिससे उभरती टेक्नोलॉजी में मजबूत जमीनी इनोवेशन और युवाओं की भागीदारी दिखी। बातचीत के दौरान,केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बात पर जोर दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक पावरफुल टूल है जिसका इस्तेमाल हर कोई रोजमर्रा की चुनौतियों को हल करने और अपनी व कम्युनिटी की जरूरतों के हिसाब से सॉल्यूशन बनाने के लिए कर सकता है।

तो वहीं केंद्रीय मंत्री द्वारा बताया गया कि समिट ने दुनिया भर से काफी दिलचस्पी दिखाई है,जिसमें वेंचर कैपिटल (वीसी)फंडिंग में लगभग $सत्रह बिलियन और इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट में $दो सौ बिलियन तक का कमिटमेंट शामिल है। उन्होंने कहा कि यह दिखाता है कि दुनिया को भारत के ऐ आई इकोसिस्टम में कितनी ज्यादा दिलचस्पी है।

साथ ही उन्होंने आगे इस बात पर भी जोर दिया कि यह रफ़्तार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी फ्रेमवर्क की वजह से मिली है,जिसने भारत को उभरती टेक्नोलॉजी में ग्लोबल लीडर के तौर पर स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि भारत में दुनिया के सबसे बड़े ऐ आई समिट की मेजबानी करना,ग्लोबल ऐ आई मूवमेंट में सबसे आगे देश के बढ़ते कद को दिखाता है।

हाईकोर्ट ने एसपी जौनपुर को दिया दो हफ्ते में जानकारी देने का आदेश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर से स्पष्टीकरण के साथ दो हफ्तों के भीतर व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने या कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया है। कोर्ट ने एसपी से पूछा है कि प्रश्नगत प्लाट जिसका 3 फरवरी 18 को याची के पक्ष में बैनामा हुआ है, उस पर किसका कब्जा है। हाईकोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या बादशाहपुर थाना के पुलिस उप निरीक्षक वीरेंद्र यादव का निर्माण ढहा कर किसी दूसरे को कब्जा सौंपने में कोई भूमिका रही है और क्या याचिका में जिस निर्माण का फोटो दाखिल किया गया है, वह याची की जमीन पर या अगल-बगल की जमीन पर है। याची ने पुलिस उप निरीक्षक पर आरोप लगाया है कि उसने याची का निर्माण ढहाकर विपक्षियों का निर्माण कराया। शिकायत के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। पुलिस के खिलाफ गंभीर आरोप को देखते हुए सत्यापन के लिए कोर्ट ने एसपी से सफाई हलफनामा मांगा है। याचिका की अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधर तथा न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने नागेंद्र प्रसाद विश्वकर्मा व अन्य की याचिका की सुनवाई करते हुए दिया है। याची का कहना है कि उप निरीक्षक वीरेंद्र यादव उसकी जमीन हथियाना चाहता है। लाखों की कीमत वाली जमीन को वह मात्र 2 लाख रुपए में बेचने का दबाव डाल रहा है। याची का यह भी कहना है कि 15 से 20 लोग इकट्ठा होकर याची की जमीन पर जबरन निर्माण कर रहे हैं, और ताला सहित गेट लगा दिया है। पुलिस प्रशासन को कई शिकायतें की गई किंतु कोई कार्रवाई नहीं की गई तो याची द्वारा हाईकोर्ट की शरण ली गई है। सुनवाई के दौरान इसके विरोध में कहा गया कि मुंगरा बादशाहपुर के उप निरीक्षक सुरेंद्र प्रताप तिवारी की रिपोर्ट में कहा गया है कि दो पक्षों के बीच जमीन को लेकर विवाद है धारा 170 की कार्रवाई की गई है, चालान भी किया गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि उप निरीक्षक पर गंभीर आरोप है, इसलिए उसका सत्यापन किया जाना जरूरी है। एसपी से हलफनामा दाखिल कर जानकारी मांगी गई है।

पुनः जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने पर राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन ने जिलाध्यक्ष का किया स्वागत

ब्यूरो चीफ
सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी कौशाम्बी का पुनः जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने पर जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य का राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन ने नगर पंचायत चरवा में संगठन अध्यक्ष अरविंद केसरवानी की अगुवाई में सैकड़ों व्यापारियों ने स्वागत किया।

जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य ने व्यापारियों को संबोधित किया कि आज भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार व्यापारियों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। समाजवादी सरकारों में हमारे व्यापारी भाई असुरक्षित महसूस किया करते थे,और आए दिन कोई न कोई माफिया अवैध रूप से वसूली के लिए धमकियां देते रहते थे,आज माफिया या तो प्रदेश से बाहर हैं या तो वो सलाखों के अंदर हैं,आज हमारे व्यापारी भाई निर्भय होकर व्यापार कर रहे हैं और हमारी बहन बेटियां दिन हो या रात हो कही भी जाए अपने आपको सुरक्षित महसूस कर रहीं हैं। साथ ही आप सभी को एक साथ देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। हम सभी जानते हैं कि व्यापारी सिर्फ मुनाफा नहीं कमाते,बल्कि वे देश की आर्थिक रीढ़ हैं।और समाज में रोजगार के अवसर भी पैदा करते हैं। इसी क्रम में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष अरविंद केसरवानी ने संबोधित किया कि व्यापारी हमेशा से भाजपा का था है और रहेगा भाजपा सरकार में व्यापारी निर्भय होकर व्यापार कर रहे हैं,भाजपा निश्चित रूप से व्यापारियों की हितैषी है साथ ही जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य को पुनः भाजपा जिलाध्यक्ष निर्वाचित होने की शुभकामनाएं दीं एवं नगर की समस्याओं को अवगत की कराया जय भाजपा जय व्यापार के नारे के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ इस मौके पर कार्यक्रम संयोजक सुरेंद्र कुमार रिंकू,राजकुमार केसरवानी,तहसील प्रभारी नीरज बनारसी,राकेश साहू,शेखर पाण्डेय सहित सम्मानित व्यापारीगण,प्रबुद्धजन उपस्थित रहें।

शिखर, आकाश, शुभम, सुभाष,रहनुमा, खुशी, रश्मी ने मारी बाजी

महाविद्यालय की अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। केपी ट्रेनिंग कॉलेज, संघटक महाविद्यालय इविवि प्रयागराज में आज अंतर महाविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता संपन्न हुई। उद्घाटन सत्र की मुख्य अतिथि प्रो अर्चना चहल शारीरिक शिक्षा विभाग इविवि थी जबकि अध्यक्षता एस डी कौटिल्य महामंत्री केपी ट्रस्ट ने किया। मार्च पास्ट, योगा, एरोबिक्स तथा विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे। खेलकूद प्रतियोगिता में विभिन्न इवेंट्स में भाग लेते हुए प्रशिक्षणार्थियों ने सर्वश्रेष्ठ अभिव्यक्ति दी।

पुरुष वर्ग के 100 मीटर की दौड़ में प्रथम शिखर गुप्ता, द्वितीय सुधाकर त्रिपाठी तथा तृतीय आकाश मौर्य विजेता थे। 200 मीटर की दौड़ में शिखर गुप्ता प्रथम, संजय सिंह द्वितीय तथा आकाश मौर्य तृतीय रहे। 400 मीटर की दौड़ में आकाश मौर्य प्रथम, नीतीश मिश्रा

द्वितीय तथा जुल्फेकार सिद्दीकी तृतीय रहे।

800 मीटर की दौड़ में शुभम पांडे प्रथम, अंकुर यादव द्वितीय तथा अक्षत महाराज चौधरी तृतीय रहे। लंबी कूद में शुभम पांडे प्रथम, शुभाकर त्रिपाठी द्वितीय तथा अक्षत सुभाष कुमार तृतीय रहे। गोला फेक में सुभाष कुमार प्रथम, विवेक सिंह चौहान द्वितीय तथा अक्षत मानस चौधरी तृतीय रहे। 1500 मीटर की दौड़ में शौर्य कुमार प्रथम, शिवसागर द्वितीय तथा आकाश सिंह तृतीय रहे। महिला वर्ग में 100 मीटर की दौड़ में रहनुमा अंसारी प्रथम, प्रिया पाल द्वितीय तथा शिमला तृतीय रही। 200 मीटर दौड़ में रहनुमा अंसारी प्रथम, शिमला देवी द्वितीय तथा हर्षिता पांडे तृतीय रही।400 मीटर की दौड़ में रश्मि प्रथम, श्रेया यादव द्वितीय तथा हर्षिता पांडे तृतीय रही। 800 मीटर की दौड़ में श्रेया यादव प्रथम, सृष्टि कुमारी द्वितीय तथा पूनम यादव तृतीय रही।लंबी कूद में अनन्या मिश्रा प्रथम, नम्रता द्वितीय तथा रश्मि तृतीय रही।गोला फेक में खुशी सिंह प्रथम, ज्योति पाठक द्वितीय तथा लक्ष्मी देवी पाल तृतीय रही।

विद्यालयों की उपलब्धियों, शैक्षिक गतिविधियों की दी जानकारी

यूपीएस कन्या हनुमानगंज में शिक्षक संकुल की हुई बैठक

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। यूपीएस कन्या हनुमानगंज में शिक्षक संकुल बैठक का आयोजन आज किया गया। संकुल के अंतर्गत आने वाले सभी विद्यालयों के शिक्षक बैठक में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बच्चों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना से हुआ। इसके उपरांत ह्मैं बेटी हूँह्व गीत पर बालिकाओं द्वारा मनमोहक नृत्य प्रस्तुति दी गई, जिसकी सभी ने सराहना की।

बैठक में आए सभी प्रतिभागियों का इंचार्ज प्रधानाध्यापक हीरालाल कुशवाहा ने स्वागत किया। बैठक के प्रमुख एजेंडा पर विस्तृत चर्चा वंदना श्रीवास्तव ने किया। इसके पश्चात? इंद्रभान सिंह, पूनम, कंचन, निहारिका, सुधा, संजीव जी एवं रमेश गुप्ता ने अपने - अपने विद्यालयों की प्रमुख उपलब्धियों एवं शैक्षिक गस्त्रतिविधियों की जानकारी साझा की गई।

बैठक में कम्पोजिट विद्यालय हनुमानगंज, प्राथमिक विद्यालय यरना, प्राथमिक विद्यालय बिकापुर, प्राथमिक विद्यालय जुनैदपुर, प्राथिक विद्यालय लोढ़ा तथा यूपीएस कन्या हनुमानगंज के सभी शिक्षक उपस्थित रहे। आंगनबाड़ी से आई कार्यकर्त्री श्रीमती गमला सिंह ने भी अपनी कार्यशैली एवं आंगनबाड़ी केंद्र पर संचालित गतिविधियों के विषय में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए विशेष शैक्षिक गतिविधियाँ संचालित की जाएँ, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित किया जा सके। बैठक सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

कैंप में दी गई डाकघर बचत योजनाओं की जानकारी

सबसे तेज प्रयागराज बाह रि या ।सिकं दरा उपडाकघर अंतर्गत शाखा डाकघर कमलानगर में उप मंडली डाक निरीक्षक मनीष कुमार के दिशा निर्देश में डाकघर कैंप का आयोजन किया। जिसमें ग्रामीणों को डाकघर की बचत योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तरी उपमंडल के डाक अधिदर्शक प्रथम फूलचंद ने डाकघर की बचत योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि डाकघर की योजनाएं सुरक्षित होने के साथ-साथ आम लोगों के भविष्य को मजबूत बनाने में भी सहायक हैं। विशेष रूप से सुकन्या समृद्धि योजना, आवर्ती जमा बचत खाता, सार्वजनिक भविष्य निधि एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा आम जन के लिए अत्यंत लाभकारी है। कैंप का आयोजन वीरापुर की ग्राम प्रधान जमुना देवी की अध्यक्षता में किया गया। इस मौके पर कमला नगर की शाखा डाकपाल संजू, सहायक शाखा डाकपाल मंजू के अलावा ग्रामीणों में संजय कुमार मौर्य, चंद्रशेखर यादव, विमला देवी, सुमन राजकुमार आदि लोग मौजूद रहे। कैंप के माध्यम से आवर्ती जमा के 30 खाते, बचत खाता के 12 खाते, सुकन्या समृद्धि योजना के 14 खाते कुल 56 नये खाते भी खोले गए।शाखा डाकपाल संजू ने आए हुए ग्रामीणों के प्रति आभार प्रकट करते हुए उनसे डाकघर की बचत योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अपील की।

फूलपुर के जाम में कई घंटे फंसे रहे लोग

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर । फ्लाई ओवर से तहसील गेट व ब्लॉक के दक्षिणी गेट तक कई घंटे जाम की स्थिति से लोग वाहनों सहित फंसे रहे। बता दें कि यूं तो तहसील गेट से फ्लाई ओवर तक एवं थाना मोड़ के सामने तक आये दिन जाम की स्थिति बनी रहती है परन्तु मंगलवार को लगा जाम सुबह से दोपहर तक चलता रहा। फूलपुर थाने की पुलिस ने आकर मोर्चा संभाला तब जाकर वाहन रेंगने लगे।

ऐसे में बहुत जरूरी कार्यों से फूलपुर तथा प्रयागराज जाने वालों की अच्छी खासी फजीहत रही। तहसील गेट पर आये दिन ये नजारे देखने को मिलते हैं परन्तु एस.डी.एम. व तहसीलदार आदि भी गुपचुप आते चले जाते हैं। जरूरतमंदों में अधिकांश प्रयागराज मरीज आदि लेकर जाने वाले कचहरी तथा डॉक्टरी आदि के कार्यों से जाने वालों की बड़ी फजीहत होती है। इस बड़ी समस्या पर न तो सांसद न विधायक न स्थानीय प्रशासन सभी चुप्पी साधे रहते हैं।

जीआरपी ने शातिर चोर को जेल भेजा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जीआरपी प्रयागराज ने रेलवे स्टेशन प्रयागराज जंक्शन से चोरी के मोबाइल फोन के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि स्टेशन प्रयागराज के प्लेटफार्म नं0 6 दिल्ली इंड पर लगे लोहे के गेट के पास से शातिर व अभ्यस्त अभियुक्त रेहान उर्फ समीर निवासी पानी की टंकी के पास गुरूबुतुल्ला पार्क डिप्टी पड़ाव थाना अनवरगंज जनपद कानपुर नगर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से धारा 305(सी), 317(2) बीएनएस से सम्बन्धित चोरी की एक मोबाइल बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि रेहान पर प्रयागराज के अलावा कानपुर के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने लिखापढ़ी करने के बाद इसे जेल भेज दिया।

हत्या के मामले में महिला समेत 4 अभियुक्त गिरफ्तार, आला कत्ल बरामद

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी, प्रयागराज। झूंसी थाने की पुलिस ने धारा-103(1)/ 238 बीएनएस से सम्बन्धित वांछित 4 अभियुक्तों को आला कत्ल के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में मुन्ना लाल उर्फ मुनमुन निवासी दौलतपुर बजहा थाना झूंसी जनपद प्रयागराज, पप्पू बिन्द निवासी दौलतपुर बजहा थाना झूंसी जनपद प्रयागराज, देसी बिन्द निवासी दौलतपुर बजहा थाना झूंसी जनपद प्रयागराज और बबनी देवी निवासी दौलतपुर बजहा थाना झूंसी जनपद प्रयागराज शामिल हैं।इनको रेलवे अण्डर पास के नीचे थाना क्षेत्र झूंसी से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त आला कत्ल लकड़ी का 2 चैला भी बरामद किया गया है।

पुलिस ने बताया कि राममूरत बिन्द द्वारा सूचना दी गयी कि उक्त अभियुक्तों द्वारा उनके पुत्र कुलदीप बिन्द की हत्या कर दी गयी है। सूचना पर उच्चाधिकारी समेत थाना झूंसी पुलिस द्वारा फॉरेन्सिक टीम के साथ मौके पहुँचकर घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। तहरीर के आधार पर धारा-103(1)/ 238 बीएनएस मुकदमा दर्ज किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमों का गठन किया गया। चारों हत्यारोपियों को जेल भेज दिया गया।

परीक्षा केंद्र देखकर लौट रही छात्रा को ट्रक ने कुचला, मौत

फुफेरे भाई की हालत गंभीर एसआरएन में चल रहा है उपचार

चंद्रशेखर यादव

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। परीक्षा केंद्र देखकर अपने फुफेरे भाई के साथ बाइक से लौट रही छात्रा की ट्रक से कुचलकर मौके पर मौत हो गई। बाइक चला रहे फुफेरे भाई की टक्कर से हालत गंभीर है। सूचना पर पहुंची बहरिया पुलिस ने छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जानकारी के अनुसार सरायगनी निवासी शैलेंद्र कुमार मौर्य की बेटी वैष्णवी मौर्य उर्फ अनुपम(17) बहरिया के आर एस आनंद

हूबराजी संवारी संस्कार इंटरमीडिएट कॉलेज मैलहा में कक्षा 12 की छात्रा थी। वैष्णवी की बोर्ड परीक्षा 18 फरवरी से

होनी थी। देवरा दौलतपुर निवासी वैष्णवी के फुफरा भाई प्रदीप कुमार मौर्य भी इंटर का छात्र है और उसका सेंटर कौशल्या देवी रामारानी मौर्य इंटर कॉलेज धमौर में गया है। मंगलवार को वैष्णवी अपने फुफेरे भाई प्रदीप कुमार मौर्य पुत्र अमरनाथ मौर्य निवासी देवरा दौलतपुर के साथ परीक्षा केंद्र देखने गई थी। बताया जाता है कि घर लौटते समय सरायगनी गांव के सामने धमौर मोड़ पर तेज रफ्तार से आ रही एक ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। जिससे वैष्णवी छिटक कर सड़क के बीच में आ गई और ट्रक उसको कुचलते हुए निकल गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। प्रदीप को भी गंभीर चोट आ गई।

स्वामी दयानन्द सरस्वती थे युगपुरुष : पंकज जायसवाल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आर्य कन्या पीजी कालेज में महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल की स्वर्गीय माता श्रीमती इन्दिरा जायसवाल के पुण्य स्मृति पर ह्यइन्दिरा जायसवाल अन्तर्विश्वविद्?यालयीय निबन्ध प्रतियोगिता' का आयोजन आज किया गया। निबन्ध का शीर्षक 'समाज के उन्नयन में आर्य समाज के 150 वर्षों की उपादेयता' था।

महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष पंकज जायसवाल ने निबन्ध प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा

कि स्वामी दयानन्द सरस्वती युगपुरुष थे, जिनके कृतित्व एवं व्यक्तित्व समकालीन समाज में प्रेरणा का कार्य करते हैं। महाविद्यालय आर्य समाज के आदर्शों पर चलता हुआ नित्य नयी प्रगति कर रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो अर्चना पाठक ने निबन्ध प्रतियोगिता के लिए छात्र - छात्राओं को बधाई दिया। महाविद्यालय की चीफ प्रॉक्टर डॉ रंजना त्रिपाठी ने निबन्ध प्रतियोगिता का कुशल संयोजन किया। ज्ञातव्य हो कि निबन्ध प्रतियोगिता में इविवि, सीएमपी, ईश्वर शरण, राजर्षि टण्डन, ईसीसी, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय, एसपीएम, एसएसखन्ना, केपी ट्रेनिंग, हमीदिया, एडीसी, कुलभास्कर, महिला सेवा सदन आदि विभिन्न कालेज के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता का कुशल नेतृत्व प्रो ईभा सिरोठिया, प्रो नीलांजना जैन, प्रो अन्जू श्रीवास्तव, डॉ सुधा सिंह, डॉ अमित पाण्डेय, डॉ मुदिता तिवारी, डॉ नाजनीन फारूकी, डॉ सव्यसांची, डॉ अवधेश आदि ने किया।

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत कराया गया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व पुलिस उपायुक्त नगर व अपर पुलिस उपायुक्त नगर के कुशल पर्यवेक्षण में मंगलवार को नगर जोन के समस्त थानों पर नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम व जागरूकता रैली में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही "मिशन शक्ति 5.0" अभियान के अन्तर्गत नगर जोन के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा, चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ०प्र० राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी०एम० स्वानिधि योजना, पी०एम० सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

स्पर्श विधि से मूक बधिर बच्चों के उपचार को नि:शुल्क शिविर का शुभारम्भ

प्रतिदिन के अभ्यास से बोल सकते है प्रभावित बच्चें : मो आरिफ खा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आशा फिजियोथिरेपी सेण्टर निगम चौराहा, मम्मफोर्डगंज, प्रयागराज में स्पर्श विधि से बच्चों को बोलना सिखाने के लिए नि:शुल्क शिविर में डा राजेश सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट डा वीवी सिंह और स्पर्श चिकित्सा के विशेषज्ञ मो आरिफ खा आज शामिल हुए।

डा राजेश सिंह ने कहा कि स्पर्श चिकित्सा पद्धति कारगार है सरकार

को चाहिए कि इसको बढावा दें जिससे कि उसका लाभ समाज के सभी वर्ग को मिल सके।

उन्होंने कहा कि आपरेशन से बोलना बहुत ही मुश्किल काम है और उसकी गारंटी नही होती है, वही अगर स्पर्श चिकित्सा विधि से छह माह के प्रशिक्षण से बच्चा बोलना सीख जाता है तो बहुत ही अच्छा है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग मूक बधिर बच्चों के लिए स्पर्श चिकित्सा आज के दौर में सबसे कारगार है। उन्होंने कहा कि ऐसे में सरकार स्पर्श चिकित्सा को बढावा देगी तो रोजगार के भी अवसर बढेगे।

प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, विद्यालय केंद्रित शोध आधारित बनाने पर दें जोर : गणेश कुमार

एससीईआरटी के डायरेक्ट ने डायट, एसआईई का किया निरीक्षण, दिया जरूरी निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, प्रयागराज (डायट) तथा राज्य शिक्षा संस्थान, प्रयागराज का औपचारिक निरीक्षण राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के निदेशक गणेश कुमार, प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक राजेंद्र प्रताप के निर्देशन एवं समन्वय में संपन्न हुआ। परीक्षा नियामक प्राधिकारी के सचिव अनिल भूषण चतुर्वेदी भी उपस्थित रहे । निरीक्षण का उद्देश्य संस्थानों में संचालित शैक्षिक एवं प्रशिक्षण गतिविधियों की गुणवत्ता का आकलन करना तथा सेण्टर आफ एक्सीलेंस के अंतर्गत विकसित अवसंरचनात्मक एवं शैक्षणिक संसाधनों का अवलोकन करना था।

इस दौरान निर्मित भवनों, प्रशिक्षण कक्षों, आवासीय व्यवस्थाओं, शैक्षिक संसाधनों एवं प्रशिक्षण वातावरण का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निदेशक गणेश कुमार ने शैक्षिक पर्यवेक्षण के अंतर्गत सभी प्रवक्ताओं द्वारा संपादित कार्यों, प्रशिक्षण मॉड्यूल, पाठ्य सामग्री निर्माण, नवाचारात्मक प्रयोगों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा की। उन्होंने प्रशिक्षण को अधिक व्यवहारिक, विद्यालय-केंद्रित एवं शोध-आधारित बनाने पर बल दिया। कला शिक्षा के अंतर्गत सृजनात्मक गतिविधियों, स्थानीय सांस्कृतिक तत्वों के समावेशन तथा कायार्नुभव आधारित शिक्षण की सराहना की गई। शारीरिक शिक्षा कार्यक्रमों में विद्यार्थियों के समग्र विकास, स्वास्थ्य चेतना, योग एवं खेलगत, गतिविधियों को महत्वपूर्ण बताया

गया।

निरीक्षण के दौरान निदेशक गणेश कुमार ने सभी प्रवक्ताओं एवं शैक्षिक कार्मिकों को टीमवर्क की भावना से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रत्येक विषय के अनुसार जनपद स्तर पर विषय - विशेष समूह गठित करने पर जोर दिया, ताकि शिक्षकों के मध्य सतत संवाद, शैक्षणिक नवाचारों का आदान-प्रदान तथा समस्याओं का सामूहिक समाधान संभव हो सके और शिक्षण व्यवस्था अधिक गुणात्मक बन सके।

निदेशक ने जनपद स्तरीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में सम्मिलित प्रशिक्षुओं के अधिगम स्तर की भी सराहना की। उन्होंने अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी की उत्तरपुस्तिका का अवलोकन करते हुए उनकी लेखन शैली, विषय की समझ एवं गुणवत्तापूर्ण प्रस्तुतीकरण की प्रशंसा की तथा इसे प्रभावी प्रशिक्षण का सकारात्मक परिणाम बताया। प्राचार्य राजेंद्र प्रताप ने निदेशक द्वारा दिए गए निदेशों का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करने की बात कही तथा सभी प्रवक्ताओं से सक्रिय सहभागिता के साथ विषयवार समूह गठन कर ठोस कार्ययोजना तैयार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर संस्थान के समस्त प्रवक्तागण उपस्थित रहे और उन्होंने निदेशों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की ।निरीक्षण कार्यक्रम संस्थान की शैक्षणिक प्रगति, प्रशिक्षण गुणवत्ता एवं उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकास की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

संपादकीय

हाथ से लिखना: तेज रफ्तार समय में मन का ठहराव

आज का समय गति का है। सुबह आँख खुलते ही मोबाइल स्क्रीन चमकने लगती है, सूचनाओं की बाढ़ हमारे भीतर उतरने लगती है और दिन कब शुरू होकर कब थकान में बदल जाता है, पता ही नहीं चलता। ई-मेल, व्हाट्सऐप, नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया—सब मिलकर हमारे ध्यान, हमारी भावनाओं और हमारे समय पर लगातार दावा करते रहते हैं। इस डिजिटल युग में संवाद तो बढ़ा है, लेकिन आत्मसंवाद कहीं पीछे छूट गया है। ऐसे में हाथ से लिखने जैसी सरल, शांत और आत्मीय प्रक्रिया का महत्व पहले से कहीं अधिक बढ़ जाता है।

हाथ से लिखना सिर्फ.शब्दों को कागज पर उतारना नहीं है, यह मन को गति से बाहर निकालकर ठहराव की ओर ले जाने की प्रक्रिया है। जब हम कलम उठाते हैं, तो शरीर और मस्तिष्क एक लय में आते हैं। उँगलियों की गति, स्याही की धार और कागज का स्पर्श—ये सब मिलकर हमारे भीतर चल रहे शोर को धीरे-धीरे शांत करने लगते हैं। यही कारण है कि दिन के अंत में, सोने से पहले यदि कोई व्यक्ति अपनी दिनचर्या की पाँच पंक्तियाँ भी लिख लेता है, तो उसे एक अनकहा सुकून मिलता है—ऐसा सुकून जिसे शब्दों में बाँध पाना कठिन होता है।

आज की जीवनशैली में तनाव, चिंता और अनिद्रा आम समस्याएँ बन चुकी हैं। हम दिन भर दूसरों के लिए सोचते हैं—काम के लिए, परिवार के लिए, समाज के लिए—लेकिन अपने मन से बातचीत का समय शायद ही निकाल पाते हैं। लिखना इस कमी को पूरा करता है। जब हम अपने अनुभव, भावनाएँ और विचार कागज पर उतारते हैं, तो हम उन्हें स्वीकार करते हैं। यह स्वीकार्यता ही मानसिक शांति की पहली सीढ़ी है। मन के भीतर जो बातें उलझन बनकर घूमती रहती हैं, वे लिखते ही स्पष्ट होने लगती हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं कि हाथ से लिखना मस्तिष्क के उन हिस्सों को सक्रिय करता है, जो भावनात्मक संतुलन और स्मृति से जुड़े होते हैं। डिजिटल टाइपिंग की तुलना में हाथ से लिखे शब्दों का प्रभाव अधिक गहरा होता है, क्योंकि इसमें सोच और लिखने के बीच सीधा संबंध बनता है। यही कारण है कि जब हम अपनी परेशानियाँ, डर या थकान लिखते हैं, तो उनका बोझ हल्का महसूस होने लगता है। यह प्रक्रिया एक तरह की आत्मचिकित्सा बन जाती है—बिना किसी दवा, बिना किसी खर्च के।

रात के समय लिखने की आदत विशेष रूप से प्रभावी मानी जाती है। दिन भर की घटनाएँ, भावनाएँ और प्रतिक्रियाएँ मन में जमा रहती हैं। यदि हम उन्हें वहीं छोड़कर सो जाते हैं, तो वे नींद में भी हमारा पीछा करती हैं। लेकिन जब हम सोने से पहले उन्हें लिख देते हैं, तो मन को संकेत मिलता है कि अब दिन पूरा हो चुका है। यह संकेत नींद की गुणवत्ता को भी बेहतर बनाता है। पाँच पंक्तियाँ ही सही—आज क्या अच्छा हुआ, क्या कठिन लगा, किस बात ने मुस्कुराया, किस बात ने सिखाया—इतना लिखना भी पर्याप्त है।

हाथ से लिखना हमें ईमानदार बनाता है। यहाँ न कोई लाइक है, न कोई टिप्पणी, न कोई बाहरी मूल्यांकन। यह एक निजी स्थान है, जहाँ हम बिना डर के अपने सच को रख सकते हैं। कई बार हम समाज के डर से या दूसरों की अपेक्षाओं के कारण अपनी भावनाओं को दबा लेते हैं। लिखना उन्हें सुरक्षित रास्ता देता है। कागज हमारा गवाह बनता है—न्याय नहीं करता, बस सुनता है।

आज बच्चों और युवाओं के जीवन में भी यह आदत अत्यंत आवश्यक हो गई है। डिजिटल शिक्षा और स्क्रीन-आधारित मनोरंजन ने उनकी लेखन क्षमता और एकाग्रता को प्रभावित किया है। हाथ से लिखने की आदत न केवल भाषा और अभिव्यक्ति को सशक्त बनाती है, बल्कि धैर्य और अनुशासन भी सिखाती है। जब बच्चा या युवा अपने मन की बात लिखना सीखता है, तो वह भावनात्मक रूप से अधिक संतुलित बनता है।

मणिशंकर अय्यर के बयानों से अब कांग्रेस में हंगामा

अजय कुमार,

केरल चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। शशि थरूर का मामला अभी सुलझा भी नहीं पाया था कि पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने नया विवाद खड़ा कर दिया। अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के बारे में ऐसा बयान दिया कि पूरी पार्टी सकते में आ गई। उन्होंने कहा कि पिनराई विजयन मुख्यमंत्री बने रहेंगे। इस बयान ने पार्टी में हड़कंप मचा दिया। कांग्रेस ने तुरंत सफाई दी कि अय्यर अब पार्टी के सदस्य नहीं हैं। लेकिन मामला यहीं शांत होने वाला नहीं था। अय्यर ने फिर से एक साक्षात्कार में पार्टी के कई बड़े नेताओं पर हमला बोला। उन्होंने पवन खेड़ा को कठपुतली कहा और शशि थरूर तथा जयराम रमेश पर भी तीखे प्रहार किए। अय्यर का कहना था कि केरल में आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस जीत नहीं पाएगी। कारण बताया कि कांग्रेसी नेता कम्युनिस्टों से जितनी नफरत करते हैं, उससे कहीं ज्यादा आपस में नफरत करते हैं। इन बयानों ने पार्टी की एकजुटता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।वैसे अय्यर की नाराजगी पुरानी नहीं है। वे लंबे समय से पार्टी नेतृत्व की आलोचना करते आ रहे हैं। लेकिन इस बार उनके शब्दों ने चुनावी माहौल को गरमा दिया।

केरल में विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही कांग्रेस को मजबूत विपक्ष के रूप में उभरना था। माकपा सरकार के खिलाफ लामबंदी करनी थी। लेकिन आंतरिक कलह ने सबकी मुश्किलें बढ़ा दीं। अय्यर ने पिनराई विजयन को मुख्यमंत्री बने रहने का भरोसा जताया तो यह पार्टी के लिए अपमानजनक लगा। विजयन लेफ्ट सरकार के चेहरे हैं और कांग्रेस का मुख्य निशाना। ऐसे में किसी पूर्व नेता का यह बयान तोड़फोड़ जैसा ही था। पार्टी ने कहा कि अय्यर का नाम सदस्य सूची से हटा दिया गया है। फिर भी अय्यर चुप नहीं रहे। उन्होंने साक्षात्कार में कहा कि पवन खेड़ा जैसे नेता सिर्फ उच्च नेतृत्व के इशारे पर बोलते हैं। शशि थरूर को महत्वाकांक्षी बताया और जयराम रमेश पर व्यक्तिगत टिप्पणियां कीं। इन हमलों ने पार्टी के केरल नेतृत्व को असहज कर दिया।

यह पहली बार नहीं है जब मणिशंकर अय्यर ने विवादास्पद बयान दिए हों। 2017 में उन्होंने पाकिस्तान के एक कार्यक्रम में जाकर नेहरू को गंगा-मैया का पुत्र कहा था। उस समय भी पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया था। फिर 2019 लोकसभा चुनाव से पहले उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीच कहा था। यह बयान सुर्खियों में रहा और पार्टी को शर्मिंदगी

झेलनी पड़ी। अय्यर ने सफाई दी कि उनका इशारा मोदी की सोच पर था, लेकिन नुकसान हो चुका था। केरल में भी वे कई बार लेफ्ट नेताओं की तारीफ कर चुके हैं। एक बार उन्होंने कहा था कि पिनराई विजयन अच्छा प्रशासक हैं। ऐसे बयान विपक्षी एकता को कमजोर करते हैं। अब फिर से चुनावी साल में यही गलती दोहराई गई। विश्लेषकों का मानना है कि अय्यर की नाराजगी पार्टी के पुराने नेताओं के साथ उपेक्षा से उपजी है। वे खुद कभी केंद्रीय मंत्री रहे, लेकिन अब हाशिए पर हैं। उनकी बात को युवा नेता नजरअंदाज करते हैं। इससे उनकी भड़ास निकल रही है।कांग्रेस के लिए यह स्थिति चिंताजनक है। केरल में लेफ्ट और भाजपा दोनों मजबूत हैं। 2021 चुनाव में कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन के नेतृत्व में अच्छा प्रदर्शन किया था। लेकिन इस बार आंतरिक मतभेद साफ दिख रहे हैं। शशि थरूर जैसे नेता अपनी दावेदारी कर रहे हैं। अय्यर ने उनकी आलोचना कर फूट डाली। पार्टी नेतृत्व ने अय्यर से दूरी बनाई, लेकिन उनका प्रभाव अभी भी है। सोशल मीडिया पर उनके बयान वायरल हो रहे हैं। विपक्षी दल इसका फायदा उठा रहे हैं। भाजपा कह रही है कि कांग्रेस कम्युनिस्टों की कठपुतली है। लेफ्ट का तर्क है कि कांग्रेसी आपस में ही लड़ रहे हैं। अय्यर के बयान ने यह धारणा मजबूत कर दी। पार्टी को अब एकजुट होने की जरूरत है। लेकिन पुराने विवाद फिर ताजा हो गए। अय्यर की नाराजगी बढ़ती जा रही है। वे कहते हैं कि कांग्रेस का वर्तमान स्वरूप बदल गया है। पहले सिद्धांतों पर चलती थी, अब व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं हावी हैं। इस पूरे घटनाक्रम से केरल कांग्रेस की रणनीति पर असर पड़ेगा। चुनाव में जीत के लिए एकजुटता जरूरी है। लेकिन नेताओं के आपसी हमले मतदाताओं को निराश कर रहे हैं। अय्यर जैसे वरिष्ठ नेता अगर बाहर से ही आलोचना करेंगे तो संगठन कमजोर होगा। पार्टी को चाहिए कि पुराने विवाद सुलझाए। नए नेताओं को साथ ले। केरल मतदाता समझदार हैं। वे आंतरिक कलह देखकर वोट नहीं देंगे। अय्यर को शांत करने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन उनका पुराना इतिहास देखें तो मुश्किल लगता है। वे अपनी बात पर अड़े रहते हैं। अब देखना यह है कि पार्टी कैसे इस संकट से उबरती है। चुनाव नजदीक हैं और हर बयान गूंज रहा है। कांग्रेस को मजबूत विपक्ष बनना होगा, वरना लेफ्ट फिर सत्ता में लौट आएगा।

अय्यर का सिरदर्द अभी बना रहेगा।केरल चुनाव से पहले कांग्रेस को मणिशंकर अय्यर ने परेशान कर दिया। शशि थरूर का मुद्दा सुलझा नहीं कि अय्यर ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को बने रहने का भरोसा जताया। पार्टी ने कहा, वे अब सदस्य नहीं। फिर साक्षात्कार में अय्यर ने पवन खेड़ा को कठपुतली कहा, शशि थरूर और जयराम रमेश पर तीखे वार किए। बोले, कांग्रेसी आपस में कम्युनिस्टों से ज्यादा नफरत करते हैं, इसलिए चुनाव हारेंगे। लेकिन अय्यर का इतिहास विवादों से भरा है, खासकर मोदी और भाजपा के खिलाफ।

बहरहाल,अय्यर ने आज भले ही कांग्रेस के खिलाफ हमला बोला हो,लेकिन उनकी असली पहचान मोदी को गाली देने वाली है।अय्यर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत हमले किए हैं। 2019 चुनाव से पहले उन्होंने मोदी को नीच कहा। सफाई दी कि नीच सोच की बात की, लेकिन बवाल मच गया। पार्टी ने निलंबन दिया। 2017 में पाकिस्तान जाकर नेहरू पर टिप्पणी की, जिसे भाजपा ने भुनाया। अय्यर ने भाजपा को सांप्रदायिक बताया। कहा, वे हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं। राम मंदिर पर बोले, भाजपा का ढोंग है। 2024 चुनाव में भी मोदी की आलोचना की, किसान आंदोलन पर समर्थन दिया। भाजपा ने उन्हें कांग्रेस का असली चेहरा कहा। केरल में लेफ्ट की तारीफ कर भाजपा को निशाना बनाया। अय्यर का मानना है कि भाजपा लोकतंत्र को कुचल रही,ये बयान कांग्रेस को नुकसान पहुंचाते हैं। केरल में भाजपा मजबूत हो रही, आंतरिक कलह से फायदा। अय्यर की नाराजगी पुरानी है। पार्टी को एकजुट होना चाहिए। वरना चुनावी हार निश्चित। अय्यर मोदी-भाजपा विरोध में आग उगलते रहेंगे, लेकिन पार्टी का सिरदर्द बढ़ेगा।

सृजन, सुविधा और नकल की नई संस्कृति

- डॉ. सत्यवान सौरभ

कहा जाता है कि हर नई तकनीक अपने साथ सुविधा लेकर आती है, पर कुछ तकनीकें धीरे-धीरे हमारी सोच और आदतों को भी बदल देती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज ऐसे ही मोड़ पर खड़ी है। उसने लिखने की गति बढ़ाई है, उसे आसान और सुलभ बनाया है; पर उसी अनुपात में उसने सृजन के अर्थ को धुंधला भी किया है। अब प्रश्न यह नहीं रह गया कि लिखा कितना अच्छा है, बल्कि यह बन गया है कि लिखा किसने है और किस तरह लिखा है। जब किसी लेख, कविता या विचार को पढ़ते हुए यह बोध होता है कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा रचा गया है, तो पाठक के भीतर कुछ टूट-सा जाता है। शब्द सधे हुए होते हैं, भाव भी उपयुक्त लगते हैं, पर कहीं एक रिक्तता रह जाती है। जैसे सुंदर शरीर हो, पर उसमें प्राण न हों। रचना का वह जादू, जो लेखक और पाठक के बीच एक अदृश्य संबंध बनाता है, अचानक समाप्त हो जाता है। यह केवल सौंदर्य का नहीं, विश्वास का भी प्रश्न है।

समस्या यह नहीं है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता लिख सकती है। समस्या यह है कि वह लिखते समय मनुष्य होने का भ्रम रचती है। वह अनुभव की नकल करती है, पीड़ा की भाषा बोलती है, प्रेम और करुणा के मुहावरे दोहराती है—बिना कभी असफलता, भय या दुविधा से गुजरे। जब ऐसी सामग्री किसी मनुष्य के नाम से प्रस्तुत की जाती है, तो वह तकनीकी सहायता नहीं रह जाती; वह बौद्धिक नकल का रूप ले लेती है।

यह नकल कोई नई बात नहीं है। हमारी शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से इस मानसिकता को पोषित करती रही है कि अंक सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण हैं, प्रक्रिया नहीं। परीक्षा में नकल करके उत्तीर्ण होना, दूसरों की उत्तर पुस्तिकाओं से विचार उठाना, और फिर उसी सफलता का गर्वपूर्वक प्रदर्शन—यह सब समाज में किसी न किसी रूप में स्वीकार्य रहा है। आज वही प्रवृत्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से नई शक्ल में सामने आई है।

अंतर केवल इतना है कि अब नकल अधिक चमकदार, अधिक विश्वसनीय और अधिक सुरक्षित दिखाई देती है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से उत्पन्न सामग्री की एक पहचान बन चुकी है—भाषा की दृष्टि से निर्दोष, संरचना में संतुलित, और भावनात्मक रूप से उचित। पर यही परिपूर्णता उसे संदिग्ध भी बनाती है। क्योंकि वास्तविक सृजन प्रायः परिपूर्ण नहीं होता। उसमें झिझक होती है, दोहराव होता है, कभी-कभी असंगति भी होती है। सच्चा लेखक अपने ही विचारों से जूझता है, अपनी ही सीमाओं से संघर्ष करता है। उस संघर्ष की छाया शब्दों में दिखाई देती है, और वही रचना को जीवंत बनाती है।

आज सामाजिक माध्यमों और अंकीय मंचों पर सामग्री की बाढ़ है। हर विषय पर, हर दृष्टिकोण से, तुरंत लेख उपलब्ध हैं। इस भीड़ में कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक तीव्र यंत्र की तरह काम करती है, जो पहले से मौजूद हजारों विचारों को जोड़कर एक नया पैकेज बना देती है। यह पैकेज उपयोगी हो सकता है, जानकारीपूर्ण हो सकता है, पर क्या वह दृष्टि दे सकता है? क्या वह जोखिम उठा सकता है? क्या वह यह स्वीकार कर सकता है कि मैं गलत भी हो सकता हूँ?

यहीं मनुष्य और यंत्र के बीच मूल अंतर स्पष्ट होता है। मनुष्य अपनी बात कहते समय डरता है—आलोचना से, अस्वीकार से, असफलता से। और यही डर उसकी आवाज को विशिष्ट बनाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता को न आलोचना का भय है, न अस्वीकार का।

इसलिए वह सुरक्षित भाषा में लिखती है—सबको स्वीकार्य, किसी को असुविधाजनक न लगे ऐसी। परिणामस्वरूप, हम ऐसी रचनाएँ पढ़ रहे हैं जो सब कुछ कहती हैं, पर वास्तव में कुछ भी नहीं कहतीं।

एक और गंभीर प्रश्न श्रेय का है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को एक औजार की तरह उपयोग किया जाए—शोध, संपादन या भाषा-सुधार के लिए—और यह स्पष्ट कर दिया जाए कि इसमें यंत्र की सहायता ली गई है, तो यह ईमानदारी है। पर जब पूरी रचना यंत्र द्वारा तैयार की जाए और लेखक का नाम किसी मनुष्य का हो, तो यह धोखा है। यह पाठक के साथ भी अन्याय है और सृजन की परंपरा के साथ भी।

अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि अंतिम परिणाम ही महत्त्वपूर्ण है, तरीका नहीं। पर यही तर्क नकल को भी वैध ठहराता है। यदि तरीका अप्रासंगिक होता, तो शिक्षा, प्रशिक्षण और अभ्यास का कोई अर्थ न रह जाता। सृजन केवल परिणाम नहीं है, वह एक प्रक्रिया भी है। लिखते समय जो सोच विकसित होती है, जो आत्मसंघर्ष होता है, वही लेखक को गढ़ता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता उस प्रक्रिया को बीच में ही काट देती है।

सत्ता, सेवा और समाज के त्रिकोण में हिंदुत्व की भूमिका

प्रो. आरके जैन अरिजीत

सौ वर्षों की यात्रा केवल समय की गणना नहीं होती, बल्कि वह विचारों की साधना, संघर्षों की तपस्या और आत्ममंथन की निरंतर प्रक्रिया होती है। हिंदुत्व की शताब्दी भी इसी ऐतिहासिक चेतना की प्रतीक है, जहां अतीत की स्मृतियां, वर्तमान की चुनौतियां और भविष्य की आकांक्षाएं एक-दूसरे में घुलकर नई दिशा रचती हैं। 27 सितंबर 1925 को नागपुर में केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा स्थापित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आज केवल एक संगठन नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आत्मा से जुड़ा एक व्यापक सांस्कृतिक आंदोलन बन चुका है। एक सदी बाद यह आंदोलन स्वयं से प्रश्न कर रहा है—क्या उसकी वैचारिक दिशा समय के अनुरूप विकसित हो पाई है, या उसे नए संदर्भों में पुनर्परिभाषित करना आवश्यक है? यह शताब्दी केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि आत्मनिरीक्षण, पुनसंयोजन और नवसृजन का ऐतिहासिक क्षण है, जहां हिंदुत्व अपनी नई पहचान को गढ़ने की प्रक्रिया में दिखाई देता है।

शताब्दी वर्ष में सरसंघचालक मोहन भागवत के विचार इस वैचारिक परिवर्तन की धुरी बनकर उभरे हैं। उनके भाषणों में हिंदुत्व को संकीर्ण धार्मिक दायरों से मुक्त कर एक व्यापक, समावेशी और मानवीय सांस्कृतिक चेतना के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वे स्पष्ट करते हैं कि हिंदू होना किसी पूजा-पद्धति तक सीमित नहीं, बल्कि वह एक सभ्यतागत स्वभाव है, जो भारत की विविधता को एक सूत्र में बांधता है। मुस्लिम, ईसाई या सिख—जो भी इस भूमि की साझा विरासत पर गर्व करता है, वह इस परंपरा का अभिन्न अंग है। यह दृष्टिकोण पुराने टकरावपूर्ण नैरेटिव से अलग एक नए संवादात्मक युग की घोषणा करता है, जहां सहअस्तित्व, सहयोग और सम्मान को प्राथमिकता दी जाती है। यही कारण है कि युवा पीढ़ी इस विचारधारा से जुड़ाव महसूस कर रही है और इसे भविष्य की राह के रूप में देख रही है।

री-कैलिब्रेशन की यह प्रक्रिया तब और अधिक स्पष्ट होती है, जब संघ पंच परिवर्तन जैसे अभियानों के माध्यम से सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्यों को केंद्र में लाता है। जब भागवत जी भीमराव अंबेडकर के करुणा, पवित्रता और अनुशासन के विचारों का उल्लेख करते हैं, तो हिंदुत्व लोकतांत्रिक और मानवीय मूल्यों से जुड़ता हुआ दिखाई देता है। यह दृष्टि युवाओं को यह सिखाती है कि राष्ट्रवाद केवल भावनात्मक नारों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक आचरण की मांग करता है। आज की पीढ़ी इस सोच को डिजिटल मंचों, स्टार्टअप संस्कृति, स्वदेशी नवाचार और पर्यावरणीय आंदोलनों से जोड़ रही है। परिणामस्वरूप, हिंदुत्व एक आधुनिक, सक्रिय और रचनात्मक पहचान के रूप में उभर रहा है, जो परंपरा और प्रगति के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है।

फिर भी, यह वैचारिक परिवर्तन बिना सवालों और शंकाओं के नहीं है। आलोचक लगातार पूछते

हैं कि क्या यह बदलाव वास्तव में आत्ममंथन का परिणाम है, या केवल समय के अनुरूप अपनाई गई एक रणनीति? क्या हिंदुत्व अपने प्रारंभिक चिंतकों जैसे विनायक दामोदर सावरकर और एम. एस. गोलवलकर की वैचारिक परंपरा से सचमुच आगे निकल पाया है, या केवल उसकी भाषा और प्रस्तुति बदली गई है? इन जटिल प्रश्नों के बीच मोहन भागवत की संवाद, मेल-मिलाप और विश्वास की अपील विशेष महत्व रखती है। वे स्वीकार करते हैं कि इतिहास ने समाज को गहरे घाव दिए हैं, लेकिन उन्हें भरने का रास्ता टकराव नहीं, बल्कि आपसी समझ और धैर्य से होकर जाता है। यह स्पष्टता हिंदुत्व को एक आत्मविश्वासी, परिपक्व और जिम्मेदार विचारधारा के रूप में स्थापित करने का प्रयास प्रतीत होती है।

समाज में उभरते नए नैरेटिव इस परिवर्तन को और अधिक मजबूती प्रदान कर रहे हैं। आज हिंदुत्व धीरे-धीरे किसी एक जाति, वर्ग या समुदाय की पहचान से ऊपर उठकर सामाजिक एकता और सामूहिक चेतना का प्रतीक बनने की कोशिश कर रहा है। सेवा भारती, ग्राम विकास योजनाएं और शिक्षा अभियान इस दिशा में ठोस उदाहरण हैं, जहां सेवा को विचारधारा से जोड़ा गया है। युवा इन पहलों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और राष्ट्र निर्माण को केवल राजनीतिक सत्ता तक सीमित नहीं रखते, बल्कि समाज के हर स्तर से जोड़कर देखते हैं। उनके लिए हिंदुत्व अब मंदिर-मस्जिद की बहसों से आगे बढ़कर रोजगार सृजन, पर्यावरण संरक्षण और तकनीकी आत्मनिर्भरता का व्यापक मंच बन चुका है, जो इसे एक जीवंत सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देता है।

डिजिटल युग में यह विचारधारा और भी नए रूपों में सामने आ रही है। सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, ब्लॉग और ऑनलाइन अभियानों के माध्यम से युवा अपनी सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत कर रहे हैं।

वे स्वदेशी उत्पादों, हरित ऊर्जा और भारतीय ज्ञान-परंपरा को आधुनिक संदर्भों से जोड़कर एक नए राष्ट्रवादी विमर्श का निर्माण कर रहे हैं। हालांकि, इसके साथ-साथ इस्लामोफोबिया, असहिष्णुता और जातीय श्रेष्ठता जैसे आरोप भी उभरते हैं, जो इस आंदोलन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। संघ नेतृत्व इन प्रवृत्तियों से स्वयं को अलग रखते हुए सेवा, अनुशासन और समावेश पर निरंतर जोर देता है। इससे यह संदेश जाता है कि पुनसंयोजन केवल भाषणों और नारों तक सीमित नहीं, बल्कि व्यवहार, सोच और सामाजिक आचरण में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। वैश्विक मंच पर हिंदुत्व को कई बार फार-राइट आंदोलन के चश्मे से देखा जाता है, किंतु भारत के भीतर यह स्वयं को राष्ट्र निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहा है। शिक्षा में भारतीय दृष्टिकोण का पुनर्स्थापन, ग्रामोदय की अवधारणा, स्वदेशी अर्थव्यवस्था का विस्तार और सांस्कृतिक कूटनीति के नए प्रयोग इसके उभरते आयाम हैं। इन सभी प्रयासों के केंद्र में युवा शक्ति खड़ी है, जिनकी ऊर्जा, तकनीकी दक्षता और नवाचारशीलता इस विचारधारा को भविष्य की दिशा में ले जा रही है। यही वह संक्रमणकाल है, जो तय करेगा कि हिंदुत्व एक सीमित और बंद विचार-प्रणाली बनकर रह जाएगा या एक खुला, संवादशील और वैश्विक समाधान प्रस्तुत करने वाला व्यापक दर्शन के रूप में विकसित होगा।

हिंदुत्व की शताब्दी एक ऐतिहासिक मोड़ का प्रतीक बनकर सामने आती है। यह वह क्षण है, जहां अतीत की विरासत और भविष्य की आकांक्षाएं आमने-सामने खड़ी होकर नई दिशा की मांग कर रही हैं। यदि समावेश, संवाद और सेवा को वास्तव में इस विचारधारा का केंद्र बनाया गया, तो हिंदुत्व विविधता में एकता का सशक्त और प्रेरक उदाहरण बन सकता है। किंतु यदि पुराने विभाजन, संकीर्णता और अविश्वास हावी रहे, तो यह ऐतिहासिक अवसर हाथ से निकल भी सकता है।

जीवन का सार है राम की मयार्दा और कृष्ण का माधुर्य

विवेक रंजन श्रीवास्तव

भगवान कृष्ण की बहुपत्नीत्व लीला और श्रीराम के एक पत्नीत्व व्रत, दोनों को यदि इतिहास या सामाजिक आचरण की कसौटी पर नहीं, बल्कि दार्शनिक-आध्यात्मिक संकेत के रूप में समझा जाए, तब उनके बीच का गहरा भेद और सामंजस्य दोनों स्पष्ट होते हैं।

वैष्णव परंपरा में श्रीकृष्ण को पूर्ण लीला पुरुषोत्तम तथा श्रीराम को मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है। रामावतार में भगवान स्वयं को आदर्श मनुष्य के रूप में प्रस्तुत करते हैं, ताकि सामान्य गृहस्थ भी उनके जीवन से आचरण के नियम सीख सके,इसी कारण उनके व्यवहार में एक-पत्नीत्व, राजधर्म, पुत्रधर्म, पितृभक्ति आदि का कठोर पालन दिखाई देता है। कृष्णावतार में वही परमात्मा बंधन-मुक्त, सहज, रसपूर्ण चित्त की चरम लीला के रूप में प्रकट होते हैं। यहाँ भगवत लीला का लक्ष्य केवल अनंत प्रेम की पराकाष्ठा का रहस्य खोलना है। यहां ईश्वर का एक रूप मयार्दा को आदर्श बनाता है, दूसरा माधुर्य को, दार्शनिक दृष्टि से दोनों मिलकर धर्म और प्रेम की संपूर्णता रचते हैं।

पुराणों में द्वारका वासी कृष्ण की प्रमुख रानी के रूप में रुक्मिणी का वर्णन है। वे विदर्भराज भीष्मक की पुत्री और कृष्ण की धर्मपत्नी हैं। रुक्मिणी और अन्य रानियाँ गृहस्थ-धर्म, सामाजिक जिम्मेदारियों और लोक-व्यवहार की पूर्णता का द्योतक हैं। द्वारका का राजतंत्र, परिवार, कुल-मयार्दा, सब इन्हीं के माध्यम से व्यवस्थित होता है। अनेक रानियाँ यहाँ काम-विकास नहीं, बल्कि यह संकेत हैं कि परमात्मा असंख्य जीवात्माओं का आश्रय है। प्रत्येक जीव अपने-अपने रूप में उनसे संबंध स्थापित करता है, कोई रानी की तरह, कोई मित्र की तरह, कोई शिष्य की तरह। इस अर्थ में कृष्ण का बहुपत्नीत्व लौकिक पुरुष की वृत्ति नहीं, बल्कि अनंत जीवों के साथ उनके अनंत संबंधों का प्रतीक है।

राधा का नाम प्रमुख रूप से भागवत आदि में प्रत्यक्ष न सही, पर बाद की वैष्णव परंपराओं, विशेषकर गौड़ीय, निम्बार्क, राधावल्लभ आदि में मिलता है। उन्हें कृष्ण के प्रति समर्पित प्रेम की सर्वोच्च मूर्ति माना गया है। अनेक परंपराओं में राधा और कृष्ण का संबंध दो प्रकार से समझाया गया है, स्वकीय (पति-पत्नी जैसा) और परकीय (सामाजिक बंधनों से परे, केवल भावनात्मक प्रेम-आधारित संबंध) गौड़ीय वैष्णव परंपरा परकीय-भाव को सबसे ऊँचा मानती है, जहाँ सामाजिक विधानों से ऊपर केवल प्रेम और समर्पण रह जाता है।

गोपिकाएँ गृहस्थ होते हुए भी जब कृष्ण के लिए सब कुछ त्यागकर भागती हैं, तो यह लौकिक व्यभिचार नहीं, बल्कि यह शिक्षा है कि परमात्मा के लिए, जब प्रश्न परम प्रेम का हो, तब संसार के सारे आग्रह गौण हो जाते हैं।

इसीलिए भक्ति-दर्शन में पत्नी रुक्मिणी से अधिक प्रेमिका राधा और गोपियों का प्रेम महत्वपूर्ण माना गया। क्योंकि वह नियमों से नहीं, शुद्ध उच्छ्वास से उपजा हुआ आध्यात्मिक प्रेम है।

दार्शनिक दृष्टि से रुक्मिणी-कृष्ण और राधा-कृष्ण दो अलग संबंध नहीं, बल्कि उसी एक सत्य के दो आयाम हैं। रुक्मिणी-कृष्ण का संबंध धर्मसम्मत गृहस्थ-संबंध का आदर्श है। यह लोकशिक्षा के लिए आवश्यक है, ताकि मनुष्य समझे कि विवाह एक जिम्मेदारी, संरक्षण और करुणा का बंधन है।

राधा-कृष्ण का संबंध परम प्रेम का रूपक है। जहाँ आत्मा और परमात्मा के बीच कोई दूरी, कोई औपचारिकता शेष नहीं रहती। वैष्णव आचार्यों ने राधा को स्वयं श्रीकृष्ण की शक्ति, उनके प्रेम-स्वरूप का ही व्यक्त रूप बताया है, अर्थात प्रेमी और प्रेयसी दो अलग स्वरूप नहीं, मूलतः एक ही प्रेम सत्ता हैं। इसलिए कहा जाता है कि कृष्ण पत्नी के रूप में रुक्मिणी से जुड़े हैं, पर प्रेम के शिखर पर राधा से । धर्म को रुक्मिणी सुदृढ़ करती हैं, जबकि भक्ति और रस को राधा परम रूप देती हैं।

शास्त्रों में रामचंद्र को एक पत्नीव्रता का आदर्श बताया गया, उन्होंने आजीवन भगवती सीता के अतिरिक्त किसी स्त्री से विवाह या दैहिक संबंध नहीं रखा। यह व्रत केवल व्यक्तिगत नैतिकता नहीं, बल्कि उस काल के लिए एक शक्तिशाली सामाजिक संदेश था, जहाँ अनेक पत्नी रखना राजाओं और उच्च वर्ग के लिए सामान्य माना जाता था। राम का आचरण गृहस्थ-धर्म और नारी-सम्मान का आदर्श स्थापित करता है।

रामायण को कई वैष्णव लेखक शरणागति-वेदा कहते हैं। जहाँ मुख्य शिक्षा है कि पहले मनुष्य को उत्तम मनुष्य बनना चाहिए ।

कालिंजर में बनेगा 'ऋषिकुल वैदिक विलेज', 30 करोड़ की परियोजना से पर्यटन को मिलेगा वैश्विक पहचान

बांदा।
उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक कालिंजर दुर्ग की तलहटी में 18 बीघा भूमि पर जिला पंचायत बांदा द्वारा प्रस्तावित ऋषिकुल वैदिक विलेज बहुआयामी परियोजना जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर अपनी पहचान बनाएगी। लगभग 30 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह प्रोजेक्ट छह चरणों में पूरा किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक चरण की लागत करीब 5 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

जिला पंचायत के कार्याधिकारी डॉ. सुजीत कुमार मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि यह परियोजना पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर विकसित की जाएगी, जिसमें पूंजीपति, इंजीनियर, शिक्षक, वकील सहित आम जनमानस भी निवेश कर सकेंगे।
उन्होंने बताया कि कलिंगा आर्किटेक्चर प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 25 दिसंबर 2025 को परियोजना का सर्वे किया गया है। यह प्रोजेक्ट जिला पंचायत के स्वामित्व वाली भूमि खसरा संख्या 1082, 1083, 1084 और 1088 (कुल 18 बीघा 10 बिस्वा) पर विकसित किया जाएगा। परियोजना का अनुमोदन जिला पंचायत की आगामी बैठक में प्रस्तावित है।
ऋषिकुल वैदिक विलेज केवल एक पर्यटन केंद्र नहीं, बल्कि कांशस लिविंग की अवधारणा पर आधारित समग्र जीवन शैली ग्राम होगा। इसमें प्रकृति, आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य और सतत विकास के सिद्धांतों को कृषि के साथ एकीकृत किया जाएगा। कालिंजर दुर्ग की ऐतिहासिक विरासत और प्राकृतिक परिवेश को ध्यान में रखते हुए यह परियोजना क्षेत्र को एक विशिष्ट वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करेगी।
परियोजना का मास्टर प्लान पंचतत्व–पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश–पर आधारित होगा। इसमें ध्यान मंडप, सरस्वती वैदिक केंद्र, नक्षत्र डेक, आवासीय क्लस्टर व गेस्ट डवेलिंग्स, हाइड्रोथेरेपी पूल, पंचकर्म हीलिंग यूनिट, यज्ञशाला और कम्युनिटी एम्फीथिएटर जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जहां सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।
यह परियोजना न केवल आध्यात्मिक और वेलनेस टूरिज्म को बढ़ावा देगी, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित करेगी। आतिथ्य, कृषि, बागवानी, पारंपरिक हस्तशिल्प और वेलनेस सेवाओं के माध्यम से क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।
इसके साथ ही प्रोजेक्ट में पंचधातु से नानाजी देशमुख की प्रतिमा या स्तंभ स्थापित करने का भी प्रस्ताव है, जो इस वैदिक ग्राम की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाएगी।

42 साल पहले पड़ी डकैती के तीन जीवित आरोपित बरी

मिला संदेह का लाभ, पुलिस का लचर अभियोजन बना कारण

प्रयागराज।

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने चार दशक से अधिक समय से लम्बित वर्ष 1983 के एक आपराधिक अपील में फैसला सुनाते हुए तीन जीवित आरोपितों को डकैती के अपराध से बरी कर दिया।
यह आदेश न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना ने दिया। कोर्ट ने सबूतों में विरोधाभास, साक्ष्यों की कमजोरी और पुलिस विवेचना की खामियों के आधार पर सत्र अदालत की सजा रद्द कर दी।
बदायूं के उझानी थाना क्षेत्र में 26-27 जुलाई 1982 की रात धनपाल के घर डकैती पड़ी। आरोप था कि गांव के ही सात लोगों ने घर में घुसकर मारपीट की और करीब 3,000 रुपये नकद व चांदी के जेवरात लूट लिए। विशेष सत्र न्यायाधीश, बदायूं ने 29 अगस्त 1983 को सभी सात आरोपितों को दोषी ठहराते हुए 5 से 7 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी।

मृतक राजेश निषाद के परिवार से मिली पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता

हर सम्भव मदद का दिया आश्वासन, पीड़ित परिवार ने सुरक्षा, सहयोग और न्याय की मांग की

प्रयागराज।

योगी सरकार में अपराधियों की खैर नहीं है। जो भी अपराध करेगा उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह बातें सोमवार को प्रयागराज नैनी क्षेत्र के मड़ौका गांव के मृतक राजेश कुमार निषाद के परिवार से मिलने के बाद पूर्व महापौर अभिलाषा गुप्ता नन्दी ने कही।
उन्होंने नैनी थानाध्यक्ष से घटना एवं कार्रवाई के सम्बंध में बात की। जिस पर थानाध्यक्ष ने पीएम रिपोर्ट केस डायरी के साथ पुलिस अधिकारियों को भेजे जाने एवं फरार चल रहे आरोपितों की जल्द से जल्द गिरफ्तारी की बात कही। इस दौरान मृतक युवक के परिवारजनों ने सुरक्षा के साथ ही सहयोग और न्याय की गुहार लगाई। पूर्व महापौर को अपनी पीड़ा बताते हुए पुलिस द्वारा पूर्ण सहयोग न किए जाने, अभी तक पीएम रिपोर्ट न दिए जाने की बात कही। घटना को अंजाम देने वाले एवं फरार चल रहे अपराधियों से सुरक्षा मुहैया कराए जाने के साथ ही परिवार की आजीविका के लिए सहयोग की मांग की। जिस पर पूर्व महापौर ने हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। कहा कि योगी आदित्यनाथ की सरकार में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

संगठन और विचार की शक्ति पर खड़ी हुई भाजपा : पंकज चौधरी

गोरखपुर।
उत्तर प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) एक संगठन और विचार आधारित राजनीतिक दल है, जो किसी परिवार, जाति या व्यक्तिपरक राजनीति पर नहीं बल्कि समर्पित कार्यकताओं की मेहनत और जनता के विश्वास पर खड़ा है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा की कार्यशैली में सामूहिक निर्णय और संगठनात्मक प्रक्रिया सर्वोपरि है।
महराजगंज में एक समाचार चैनल के कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने संगठन और सरकार के मजबूत तालमेल, अंत्योदय के संकल्प, डबल इंजन सरकार की गति और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पार्टी की मूल दिशा बताया। उन्होंने कहा कि सरकार और संगठन एक ही सिक्के के दो पहलू हैं–संगठन जनता की आवाज सरकार तक पहुंचाता है और सरकार की योजनाएं संगठन के माध्यम से अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती हैं।

बादशाहपुर दरोगा पर जमीन हथियाने का आरोप

-एसपी जौनपुर से कोर्ट ने दो हफ्ते में मांगी जानकारी

प्रयागराज।
इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने पुलिस अधीक्षक जौनपुर से स्पष्टीकरण के साथ दो हफ्ते में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने या कोर्ट में हाजिर होने का निर्देश दिया है।
कोर्ट ने एसपी से पूछा है कि प्रश्नगत प्लाट जिसकी 3 फरवरी 18 को याची के पक्ष में बैनामा हुआ है, उस पर किसका कब्जा है?

राजकीय उद्यान चन्द्रशेखर आजाद पार्क में आयोजित होगी तीन दिवसीय पुष्प एवं शाकभाजी प्रदर्शनी

प्रयागराज।
राजकीय उद्यान चन्द्रशेखर आजाद पार्क में फल, शाकभाजी एवं पुष्प कारोबार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 20 फरवरी से तीन दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी मंगलवार को राजकीय उद्यान अधीक्षक प्रयागराज जगदीश प्रसाद ने दी।
उन्होंने बताया कि मण्डलीय फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी-2026 का आयोजन 20, 21, व 22 फरवरी को चन्द्रशेखर आजाद पार्क में कराया जा रहा है। जिसका उद्घाटन 20 फरवरी को अपराह्न 4:30 बजे मुख्य अतिथि उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह द्वारा किया जायेगा तथा 22 फरवरी को अपराह्न 04:00 बजे समापन व पुरस्कार वितरण उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग

अध्यक्ष संजय श्रीनेत करेंगे। उन्होंने बताया कि पुष्प प्रदर्शनी को कुल-26 विभागों में बाँटा गया है, जिसमें गमलों में लगे मौसमी फूल, शोभाकार हरे भरे पौध, कैक्टस एवं सकुलेन्ट पौधे, कटे गुलाब के फूल, कटे मौसमी फूल, पुष्प विन्यास, शाकभाजी, फल, खाद्य प्रसंस्करण के अन्तर्गत फलों से बने पदार्थ प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, शहद, फोटोग्राफी एवं पेन्टिंग आदि की प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी। इस प्रदर्शनी में बंगला उद्यान प्रतियोगिता का भी आयोजन कराया गया है। जिसमें कुल-149 प्रतियोगियों द्वारा प्रतिभाग किया गया है तथा जजिंग का कार्य भी पूर्ण कराया जा चुका है।

प्रयागराज में 18 एवं 20 फरवरी को होगा वाटरशेड महोत्सव

प्रयागराज।
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटर सेट डेवलपमेंट 2.0 के तहत प्रयागराज के कोरांव विकासखण्ड में 18 से 20 फरवरी दो दिवसीय आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी मंगलवार को प्रयागराज के भूमि संरक्षण अधिकारी सुरेंद्र प्रताप सिंह ने दी।
उन्होंने बताया कि यह महोत्सव कृषि विभाग के अनुभाग भूमि संरक्षण इकाई फूलपुर प्रयागराज द्वारा वाटर शेड महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह महोत्सव प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना वाटर सेट डेवलपमेंट 2.0 के अंतर्गत विकासखंड कोराव में 18 एवं 20 फरवरी को मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम के तहत नए कार्यों का भूमि पूजन एवं निष्पादित कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। इसके साथ ही कृषकों में वाटर वाटरशेड महोत्सव द्वारा जल एवं भूमि संरक्षण के जागरूकता है प्रचार प्रसार किया जाएगा।

सुलतानपुर : हर्ष फायरिंग के दौरान सिपाही घायल, रेफर

सुलतानपुर ।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के थाना मोतिगरपुर क्षेत्र के ग्राम कर्मजीतपुर में तिलक समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की गयी। हर्ष हर्ष फायरिंग के दौरान एक साथी पुलिस सिपाही घायल हो गया। इलाज के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है ।
क्षेत्राधिकारी जयसिंहपुर रामकृष्ण चतुर्वेदी ने मंगलवार को बताया कि बीती रात मोतिगरपुर क्षेत्र के ग्राम कर्मजीतपुर में अंकुर शुक्ला के यहाँ तिलक समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की गयी। अंकुर शुक्ला आबकारी विभाग में सिपाही हैं। उनकी पोस्टिंग रायबरेली में है।उनके दो साथी विनीत मिश्रा और

सुरेंद्र यादव जो की आबकारी विभाग में रायबरेली में ही उनके साथ सिपाही पद पर पदस्थ है । वे भी आए हुए थे। सुरेंद्र यादव ने अपने लाइसेंस पिस्टल से हर्ष फायर किया जिससे उनके साथी विनीत मिश्रा घायल हो गये । प्राथमिक उपचार के उपरान्त डॉक्टर ने हायर सेंटर रेफर किया । वह खतरे से बाहर बताये जा रहे हैं ।

शास्त्री पुल की रेलिंग से टकराया ट्रक, लगा जाम

सबसे तेज प्रयागराज
प्रयागराज। प्रयागराज-वाराणसी को जोड़ने वाले शास्त्री पुल पर सोमवार की देर रात करीब दो बजे तेज रफ्तार ट्रक रेलिंग से टकरा गया। दुर्घटना में क्षतिग्रस्त ट्रक की केबिन में फंसे चालक को पुलिस ने बाहर निकालकर अस्पताल भेजा। इधर, मंगलवार की सुबह इसी लेन पर एक डंपर खराब हो गया। इससे दोपहर तक एक लेन पर जाम से लोग जूझते रहे। पुलिस ने क्रेन से डंपर को सड़क किनारे करवाकर यातायात बहाल कराया। झूसी की तरफ से आ रहा ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पुल के किनारे लगे रेलिंग से टकरा गया। राहगीरों की सूचना पर दारागंज पुलिस ने पहुंचकर किसी तरह केबिन में फंसे चालक को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा।देर रात होने की वजह से तत्काल ट्रक को हटवाया नहीं जा सका। जबकि, मंगलवार की सुबह इसी लेन पर तकनीकी खराबी से डंपर बीच सड़क पर खड़ा हो गया। पुल के वाराणसी से प्रयागराज की तरफ आने वाली लेन पर भीषण जाम लग गया। खासकर सुबह नौ से दस बजे के बीच हाईकोर्ट से लेकर अन्य दफ्तरों में जाने वाले लोग जाम से जूझे। दारागंज थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर मिश्रा ने बताया कि क्रेन मंगवाकर डंपर को किनारे करवाकर यातायात बहाल कराया गया।

करेली में ट्रेन से कटकर युवक की मौत

प्रयागराज । करेली के बक्शी मोढ़ा के पास मंगलवार को ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हो गयी। वह एयरपोर्ट के बरांवा का रहने वाला था। पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।
करेली पुलिस के मुताबिक बरांवा एयरपोर्ट निवासी ब्रजेश उर्फ गोरे २३ वर्ष पुत्र कमलेश किसी काम से करेली आया था। बक्शीमोढ़ा के पास वह ट्रेन की चपेट में आ गयाऔर उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक वह वहीं टहल रहा था तभी हादसे का शिकार हो गया। करेली थाना प्रभारी आशीष सिंह ने बताया कि ट्रेन से कटकर एक युवक की मौत हुई है।
आगे की कारवाई की जा रही है।

कोडीन सिरप मामले में आरोपित प्रशांत उपाध्याय को तलाश रही एसआईटी

वाराणसी।
उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के मड़ौली निवासी प्रशांत उपाध्याय उर्फ लड्डू को कोडीनयुक्त सिरप तस्करी मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) टीम और उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीमें हर एक स्थान पर तलाश रही हैं। आरोपित प्रशांत उपाध्याय उर्फ लड्डू के उत्तर प्रदेश के बाहर किसी राज्य में छुपे होने की आशंका जताई जा रही है।
कोडीन सिरप मामले में बनी विशेष जांच दल (एसआईटी) टीम में शामिल एडीसीपी सरवनन टी. ने अपने बयान में मंगलवार को कहा कि कोडीनयुक्त सिरप तस्करी मामले में मुख्य आरोपित शुभम जायसवाल और उसके गुरु प्रशांत उपाध्याय उर्फ लड्डू की तेजी से

तलाश की जा रही है। शुभम जायसवाल के गुरु के रूप पहचान बनाने वाले प्रशांत की राधिका इंटरप्राइजेज और राजेंद्र इंटरप्राइजेज पर कार्रवाई हुई है।
बीते दिनों कोडीनयुक्त सिरप तस्करी में अमित यादव की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ में भी प्रशांत उपाध्याय का नाम सामने आया है। अमित यादव ने यूपी एसटीएफ को बताया है कि प्रशांत ने ही फर्जी कंपनियों को बनाने और उसके माध्यम से फर्जी बिल बनाकर बड़ी धनराशि की हेराफेरी करने के तौर तरीके का ज्ञान दिया है।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत

औरैया।
उत्तर प्रदेश में जनपद कानपुर देहात के मंगलपुर थाना क्षेत्र स्थित कसोलर गांव में मंगलवार सुबह हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई।
मृतक की पहचान अंकित बाबू पुत्र अमरसिंह निवासी कसोलर, जनपद कानपुर देहात के रूप में हुई है।
परिजनों के अनुसार अंकित सुबह रोज की तरह खेतों की ओर टहलने गया था। इसी दौरान वह अचानक हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि वह मौके पर ही

गंभीर रूप से झुलस गया। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों और परिजनों ने बिना देर किए उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल औरैया पहुंचाया।

जलाभिषेक को लेकर कांवड़ियों में खूनी संघर्ष , 10 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद के थाना अयाना क्षेत्र के ग्राम बरबटपुर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर उस समय माहौल तनावपूर्ण हो गया, जब शिवालय में पहले जलाभिषेक करने को लेकर दो कांवड़िये और उनके परिजन आपस में भिड़ गए। मंदिर परिसर में शुरू हुआ विवाद बाद में गांव पहुंचकर हिंसक झड़प में बदल गया। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर कुल 10 लोगों के

खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।
जानकारी के अनुसार बरबटपुर निवासी श्याम सिंह और अजय सिंह महाशिवरात्रि पर फरुर्खाबाद के श्रृंगीरामपुर से गंगाजल लेने गए थे। कांवड़ लेकर जब दोनों गांव के शिवालय पहुंचे तो पहले जलाभिषेक करने को लेकर कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की होने लगी। मंदिर परिसर में मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर किसी तरह मामला शांत कराया, जिसके बाद दोनों पक्षों ने पूजा-अर्चना की।
लेकिन मामला यहीं शांत नहीं हुआ। गांव लौटने पर दोनों पक्षों के लोग फिर आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडे चलने लगे। मारपीट में श्याम सिंह, उनके भाई शिवकुमार और अजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी अयाना में भर्ती कराया, जहां से डॉक्टरों ने अजय सिंह को चिचौली मेडिकल कॉलेज तथा श्याम सिंह को सैफई रेफर कर दिया।
अजय सिंह के पिता धुन्नू सिंह की तहरीर पर श्याम सिंह उर्फ राजू, शिवकुमार, राजकुमार और लखन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

बी-फार्मा छात्र ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में बबेरू कोतवाली क्षेत्र के कुचेदू गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां बी-फार्मा के छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना से पूरे परिवार में मातम छा गया है।
सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुचेदू गांव निवासी 25 वर्षीय रजनी कांत पुत्र कल्लू, जो लखनऊ में बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा था, एक सप्ताह पहले ही घर आया था। रविवार शाम वह खेत की सिंचाई कर घर लौटा और कुछ देर बाद अपने कमरे में चला गया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसल से एयरसेल-आरकॉम की वसूली अब खतरे में

- कोर्ट ने स्पष्ट किया, टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने दूरसंचार क्षेत्र और बैंकिंग उद्योग में नई चिंता पैदा कर दी है। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि टेलीकॉम कंपनियों को आवंटित स्पेक्ट्रम को कॉरपोरेट परिसंपत्ति नहीं माना जा सकता, जिसे इनसालवेंसी एंड बैंक्रप्टी कोड (आईबीसी) के तहत पुनर्गठित या बेचा जा सके। इस निर्णय का सीधा असर उन मामलों पर पड़ेगा, जहां दिवालिया प्रक्रिया के तहत बैंकों को अपनी बकाया राशि की वसूली की उम्मीद थी। बैंकरों के अनुसार यह फैसला विशेष रूप से एयरसेल और रिलायंस कम्युनिकेशन (आरकॉम) से जुड़ी दिवालियापन कार्यवाही को प्रभावित करेगा। एयरसेल पर 13,500 करोड़ रुपये से अधिक और आरकॉम पर 50,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा कि स्पेक्ट्रम को सबसे मूल्यवान सुरक्षा माना जाता था, लेकिन अब उसके कॉरपोरेट संपत्ति न माने जाने से वसूली की संभावनाएं काफी घट गई हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले के बाद बैंकों को दूरसंचार कंपनियों को ऋण देते समय उपलब्ध सुरक्षा के स्वरूप का पुनर्मूल्यांकन करना होगा। यदि पर्याप्त वैकल्पिक सुरक्षा उपलब्ध नहीं होती, तो ऐसे ऋण को असुरक्षित जोखिम के रूप में देखा जा सकता है, जिससे भविष्य में इस क्षेत्र को कर्ज मिलना कठिन या महंगा हो सकता है। करीब 35,000 करोड़ रुपये जुटाने की कोशिश कर रही वोडाफोन आइडिया के लिए भी यह फैसला चुनौतियां बढ़ा सकता है। बैंक अभी प्रस्ताव पर विचार कर रहे हैं, लेकिन नए कानूनी परिदृश्य में ऋण शर्तें सख्त हो सकती हैं।

नेयसा ने 1.2 अरब डॉलर जुटाए, एआई क्लाउड विस्तार की तैयारी

अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी

नई दिल्ली।

एआई क्लाउड प्लेटफॉर्म नेयसा ने कुल 1.2 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इसमें 60 करोड़ डॉलर की इक्विटी निवेश ब्लेकस्टोन से जुड़े निजी इक्विटी फंडों और सह-निवेशकों द्वारा किया गया है। अतिरिक्त 60 करोड़ डॉलर की राशि ऋण के माध्यम से जुटाई जाएगी। अन्य प्रमुख निवेशक

फंड जुटाने में शामिल होंगे। कंपनी ने फर्म के मूल्यांकन का खुलासा नहीं किया है। नेयसा भारत में तेजी से बढ़ता हुआ एआई एक्सेलरेशन क्लाउड प्लेटफॉर्म है, जो उद्यमों और सरकारी संस्थाओं को मिशन-क्रिटिकल समाधान देता है। कंपनी को इंडियाएआई मिशन द्वारा अनुमोदित क्लाउड सेवा प्रदाताओं में से एक चुना गया है। नई फंडिंग से कंपनी भारत में 20,000 से अधिक जीपीयू की तैनाती और विस्तार की योजना को साकार करेगी, जिससे देश में एआई क्रांति को मजबूती मिलेगी। नेयसा के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत की एआई महत्वाकांक्षा के लिए बड़े पैमाने पर प्रोडक्शन-ग्रेड इन्फ्रास्ट्रक्चर आवश्यक है। नेयसा सॉवरेन कंप्यूट की एग्जीक्यूशन लेयर और एआई रिसर्च इनेबलमेंट पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

नेयसा ने अब तक 5 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। 2024 में सीड राउंड में 2 करोड़ डॉलर और अक्टूबर में सीरीज ए में 3 करोड़ डॉलर जुटाए गए थे।

वित्त वर्ष 27 में बदल सकती है बाजार की तस्वीर

नई दिल्ली ।

सेंट्रम ब्रोकिंग के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ईमेल साक्षात्कार में बताया कि अगले छह महीनों में भारतीय शेयर बाजार के लिए प्रमुख जोखिम तीन हैं। पहला, वैश्विक मुद्रा संकट-अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी या डॉलर में मजबूती उभरते बाजारों के लिए वित्तीय परिस्थितियां कठिन कर सकती है। दूसरा, आय वृद्धि की असमानता-अगर घरेलू मांग और मार्जिन में सुधार उम्मीद के मुताबिक नहीं हुआ, तो बाजार की तेजी सीमित रह सकती है।

तीसरा, भू-राजनीतिक और व्यापार अस्थिरता, जो अल्पकालिक निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर बाजार ऊपर की ओर बढ़ता है, तो इसका नेतृत्व घरेलू चक्र से आने की संभावना है। वित्तीय क्षेत्र सबसे आगे रहेगा, क्योंकि 2025-26 की तीसरी तिमाही में इसमें मार्जिन बढ़ा, ऋण लागत नियंत्रित रही और परिसंपत्ति गुणवत्ता स्थिर रही। चौथी तिमाही में यह और मजबूत दिख रहा है। इसके अलावा पूंजीगत वस्तुएं और औद्योगिक क्षेत्र, विशेषकर ऑटोमोटिव सेक्टर, इनपुट लागत में कमी और मांग में धीरे-धीरे रिकवरी से सहारा पाएंगे। आईटी शेयरों में हो रही बिकवाली और एआई से संबंधित चिंताएं कुछ ज्यादा हैं। भारतीय आईटी कंपनियां एआई आधारित सौदों को बढ़ावा दे रही हैं और ऑटोमेशन से लाभ मार्जिन बढ़ सकता है। मूल्यांकन उनके पांच साल के औसत से कम है, इसलिए, चुनिंदा आईटी शेयरों में निवेश समझदारी भरा हो सकता है।

टाइटन बायोटेक लिमिटेड करेगी स्टॉक स्प्लिट

- 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट

मुंबई । बायोटेक कंपनी टाइटन बायोटेक लिमिटेड अपने शेयरों का स्टॉक स्प्लिट करने जा रही है। कंपनी ने 20 फरवरी को एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट घोषित की है। इस दिन तक जिन निवेशकों के पास शेयर होंगे, वे स्प्लिट का लाभ प्राप्त करेंगे। कंपनी अपने शेयरों का फेस वैल्यू 10 रुपये से घटाकर 2 रुपये करने जा रही है। इसका मतलब हर 1 पुराना शेयर अब 5 नए शेयरों में बदल जाएगा। कुल निवेश की वैल्यू उसी स्तर पर बनी रहेगी, लेकिन निवेशकों के पास शेयरों की संख्या बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार स्टॉक स्प्लिट से शेयर की कीमत कम होगी और इसे खरीदना छोटे निवेशकों के लिए आसान होगा। हालांकि कुल निवेश की कीमत तुरंत नहीं बदलती। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे 20 फरवरी तक अपनी होल्डिंग साफ रखें और स्प्लिट के अनुसार अपने निवेश की योजना बनाएं।

जनवरी में थोक मुद्रास्फीति 1.81 फीसदी पर पहुंची

- दिसंबर 2025 में 0.83 और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी

नई दिल्ली ।

देश में जनवरी 2026 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति 1.81 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो लगातार तीसरे महीने बढ़ी है। दिसंबर 2025 में यह 0.83 प्रतिशत और जनवरी 2025 में 2.51 प्रतिशत थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि महंगाई बढ़ने की मुख्य वजह मूल धातुओं, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं, खाद्य उत्पादों और वस्त्रों की कीमतों में वृद्धि है। जनवरी में खाद्य वस्तुओं की महंगाई 1.55 प्रतिशत रही, जबकि दिसंबर में 0.43 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में तेज उछाल देखा गया, जनवरी में महंगाई 6.78 प्रतिशत रही। विनिर्मित उत्पादों में महंगाई जनवरी में 2.86 प्रतिशत और गैर-खाद्य उत्पादों में 7.58 प्रतिशत तक बढ़ी। ईंधन एवं बिजली में महंगाई दर 4.01 प्रतिशत रही। सरकार के आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति जनवरी में 2.75 प्रतिशत पर रही। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों के निर्धारण के लिए खुदरा मुद्रास्फीति का आधार बनाता है। केंद्रीय बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 में

अभी तक नीतिगत दर रेपो में 1.25 प्रतिशत की कटौती है जो अब 5.5 प्रतिशत है।

जापान की अर्थव्यवस्था ने दर्ज की 1.1 फीसदी की वृद्धि

तोक्यो। जापान की अर्थव्यवस्था ने 2025 की अंतिम तिमाही में वार्षिक आधार पर 0.2 फीसदी की वृद्धि दर्ज की। साल भर में कुल वृद्धि केवल 1.1 फीसदी रही, जो 2022 के बाद सबसे उच्च है, जब देश कोविड-19 महामारी के असर से उबर रहा था। अप्रैल-जून 2025 में जीडीपी में 0.5 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि जुलाई-सितंबर में 0.7 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। अक्टूबर-दिसंबर में तिमाही आधार पर अर्थव्यवस्था ने 0.1 फीसदी की मामूली वृद्धि की। लगातार दो तिमाहियों में संकुचन न होने के कारण जापान तकनीकी मंदी से बच गया। अक्टूबर-दिसंबर में निजी उपभोग में 0.4 फीसदी की वृद्धि रही, लेकिन निर्यात में 1.1 फीसदी की गिरावट ने विकास दर को सीमित किया। मंत्रिमंडल कार्यालय का अनुमान है कि निकट भविष्य में जापान की अर्थव्यवस्था औसतन 0.6 फीसदी की दर से बढ़ेगी, जिससे स्थिर लेकिन धीमी वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

भारत का चीनी निर्यात फरवरी तक 2 लाख टन के पार

मुंबई। अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) के अनुसार भारत में चीनी निर्यात पर सरकार का नियंत्रण बना हुआ है। मिलों के बीच आनुपातिक कोटा वितरित किया जाता है। हाल ही में अतिरिक्त पांच लाख टन निर्यात कोटा भी मंजूरी दी गई है, जिससे कुल स्वीकृत निर्यात 20 लाख टन हो गया है। फरवरी तक भारत ने कुल 2,01,547 टन चीनी का निर्यात किया। इसमें सफेद चीनी का हिस्सा 1,63,000 टन और परिष्कृत चीनी का 37,638 टन रहा। 2025-26 विपणन वर्ष में भारत का चीनी उत्पादन 13 फीसदी बढ़कर 2.96 करोड़ टन रहने का अनुमान है। एआईएसटीए ने नई दो-स्तरीय कोटा प्रणाली का स्वागत किया, जिससे वास्तविक निर्यात करने वाली मिल को गैर-निष्क्रिय मिलों से कोई प्रीमियम नहीं देना पड़ेगा।

प्रधानमंत्री मोदी के गमछे से चमकी बुनकरों की किस्मत

बिहार के करघों पर बरसे करोड़ों के ऑर्डर

नई दिल्ली ।

बिहार, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, असम और ओडिशा में गमछा पारंपरिक पहचान का प्रतीक है। गया जिले के पटवा टोली में लाखों गमछे बनाए जाते हैं। पिछले साल विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रैली में गमछा लहराकर इसे बिहारी अस्मिता से जोड़ा। इसके बाद मांग में अचानक वृद्धि हुई और राजनीतिक दलों ने विशेष रंग के गमछों के ऑर्डर लिए। पटवा टोली में लगभग 35,000 बुनकर काम करते हैं। प्रतिदिन यहां 200 बंडल, यानी करीब 2 लाख गमछे तैयार होते हैं। 80 फीसदी गमछे थोक में 20-30 रुपये में बिकते हैं, जबकि शेष 60-80 रुपये तक के दाम पर जाते हैं। सालाना कारोबार लगभग 125-150 करोड़ रुपये का है। पहले गमछे हथकरघे से बनते थे, लेकिन अब चीन और देसी मशीनों से उत्पादन बढ़ गया है। चीन की मशीनें सस्ती लेकिन जल्दी खराब होती हैं, जबकि देसी मशीनें महंगी लेकिन टिकाऊ। कई बुनकर अब देसी मशीनों को प्राथमिकता दे रहे हैं। बिहार चुनाव के दौरान गमछा कारोबार को राजनीतिक रंग मिला। भाजपा के लिए केसरिया, राष्ट्रीय जनता दल के लिए हरा और जन स्वराज पार्टी के लिए पीले गमछे तैयार किए गए। बंगाल और असम में भी विधानसभा चुनाव से पहले बड़े पैमाने पर ऑर्डर की योजना

बनाई जा रही है। पटवा टोली का सबसे बड़ा खरीदार पश्चिम बंगाल है, इसके बाद असम, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश हैं। बिहार में सिर्फ बचे हुए गमछे बिकते हैं। गमछा कारोबार अब सिर्फ पारंपरिक वस्त्र उद्योग नहीं, बल्कि राजनीतिक और व्यावसायिक रणनीति का अहम हिस्सा बन चुका है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 650, निफ्टी 211 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 650.39 अंक बढ़कर 83,277.15 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 211.65 अंक ऊपर आकर 25,682.75 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान निफ्टी वाहन को छोड़कर तकरीबन सभी इंडेक्स बढ़त पर बंद हुआ। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.48 फीसदी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.11 फीसदी की तेजी रही।

आज निफ्टी वाहन में 0.73 फीसदी और निफ्टी ग्रोसेक्ट 15 में 0.12 फीसदी की गिरावट आई । जबकि निफ्टी बैंक में 1.27फीसदी की बढ़त, निफ्टी एफएमसीजी में 0.82 फीसदी जबकि निफ्टी आईटी में 0.17 फीसदी उछाल आया है। आज सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल 9 शेयरों में ही गिरावट रही। पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, आईटीसी और एशियन पेंट्स के शेयरों में 4.45 फीसदी तक की बढ़त रही जबकि वहीं, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, बजाज फाइनेंस, ट्रेंट, एम एंड एम और इंफोसिस के शेयरों में 1.44 फीसदी की गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को

7,395.41 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,553.96 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई हालांकि कारोबार बढ़ने के साथ ही रिकवरी दर्ज की गयी। बीएसई सेंसेक्स 262 अंकों की बढ़त के साथ 82,591 के स्तर पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 75 अंकों की तेजी के साथ 25,546 पर कारोबार करता दिखा। निवेशकों की धारणा फिलहाल सकारात्मक है। इस सप्ताह बाजार की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठकों पर रहेगी।

रेलवे का फैसला: एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में स्टाफ आरक्षण खत्म

- यात्रियों को मिलेगी ज्यादा सीटें, वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे

नई दिल्ली । भारतीय रेलवे ने राजधानी, दुरंतो और अन्य प्रीमियम ट्रेनों के एसी फर्स्ट और सेकंड एसी कोचों में ऑन-बोर्ड स्टाफ के आरक्षित सीटों को खत्म कर दिया है। अब महंगी सीटें सीधे यात्रियों के लिए उपलब्ध होंगी, जिससे वेटिंग लिस्ट वाले यात्री कंफर्म टिकट पा सकेंगे। हाउसकीपिंग स्टाफ के लिए स्प्रेड मॉडल लागू हुआ है। उन्हें केवल थर्ड एसी या स्लीपर में 4 साइड लोअर सीटें मिलेंगी। पेंट्री कार वाले स्टाफ को अब पूरी ड्यूटी पेंट्री कार में ही करनी होगी, जबकि पेंट्री कार नहीं होने पर उन्हें केवल 2 सीटें दी जाएंगी। रेलवे का अनुमान है कि हर ट्रेन में 4-6 सीटें अब यात्रियों के लिए खुलेंगी, जिससे प्रतिदिन लाखों रुपये का अतिरिक्त राजस्व होगा। आरक्षित सीटों का दुरुपयोग और अनाधिकृत यात्रा की समस्या भी कम होगी। साल 2016 और 2018 के पुराने सर्कुलर रद्द कर दिए गए हैं। यह नया नियम रेलवे के पैसेंजर-फ्रेंडली और कमर्शियल मॉडल को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है।

सोने की कीमतों पर ब्रेक, 1 लाख के नीचे जाने के आसार

नई दिल्ली । सोने की कीमतों में चल रही रिकॉर्ड तेजी पर अब ब्रेक लगता नजर आ रहा है। रूस के एक संभावित कदम और वैश्विक समीकरणों के बदलने से कयास लगाए जा रहे हैं कि आने वाले समय में सोना 1 लाख रुपए के नीचे आ सकता है। जनवरी 2026 में भारतीय बाजार (एमसीएक्स) पर सोने ने 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम का ऐतिहासिक स्तर छुआ था। बीते सप्ताह की क्लोजिंग तक कीमतें 1,56,200 रुपए तक गिर गईं, यानी करीब 13.5 फीसदी की गिरावट। अंतरराष्ट्रीय बाजार (कॉमेक्स) पर सोना 5,626.80 से 5,046.30 डॉलर पर आया, लगभग 10.5 फीसदी की गिरावट दर्ज हुई। रूस ने अमेरिकी डॉलर में ट्रेड सेटलमेंट पर वापसी पर विचार करना शुरू कर दिया है। इससे ब्रिक्स देशों की डी-डॉलराइजेशन मुहिम प्रभावित हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि रूस के कदम से अन्य केंद्रीय बैंक भी सोने की आक्रामक खरीद रोक सकते हैं या मुनाफावसूली कर सकते हैं। विश्लेषकों का अनुमान है कि अंतरराष्ट्रीय सोना 3,000 प्रति औंस तक गिर सकता है। भारत में सोने की कीमत 90,000-1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के दायरे में स्थिर हो सकती है।

फैक्टल एनालिटिक्स का आईपीओ सुस्त शुरुआत के साथ सूचीबद्ध

- शेयर तीन प्रतिशत की गिरावट के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली । कृत्रिम मेधा (एआई) समाधान प्रदाता फैक्टल एनालिटिक्स ने सोमवार को अपने आईपीओ के बाद शेयर बाजार में धीमी शुरुआत की। कंपनी का आईपीओ 2,834 करोड़ रुपए का था, जिसमें 1,023.5 करोड़ रुपए के नए शेयर और 1,810.4 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। मूल्य दायरा 857-900 रुपए प्रति शेयर तय किया गया था। अंतिम दिन आईपीओ 2.66 गुना सब्सक्राइब हुआ। एनएसई पर शेयर 876 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य 900 रुपए से 2.67 फीसदी कम है। बाद में इसमें और गिरावट आई और यह 855.55 रुपए पर पहुंच गया। बीएसई पर शेयर 900 रुपए प्रति शेयर के स्तर पर सपाट शुरुआत के साथ खुला। एनएसई पर कंपनी का बाजार मूल्यांकन 14,839.73 करोड़ रुपए रहा। कंपनी ने बताया कि आईपीओ से प्राप्त राशि का इस्तेमाल अपनी अनुषंगी 'फैकल यूएसए' में निवेश, कर्ज का पूर्व-भुगतान, भारत में नए कार्यालय, अनुसंधान एवं विकास, फैक्टल अल्फा के तहत विपणन, अधिग्रहण और अन्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने हटाया गेहूं-चीनी पर निर्यात प्रतिबंध

- अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अप्रत्याशित रूप से 25 लाख टन गेहूं के निर्यात की अनुमति दी। इससे पहले तीन साल से अधिक समय से निर्यात पर प्रतिबंध था। इसके साथ ही पहले से स्वीकृत 15 लाख टन चीनी के अलावा 5 लाख टन अतिरिक्त चीनी का निर्यात भी खोल दिया गया। सरकारी बयान के अनुसार यह कदम देश में मौजूदा उपलब्धता और मूल्य परिदृश्य का मूल्यांकन कर लिया गया है। गेहूं पर निर्यात प्रतिबंध 13 मई 2022 को लगाया गया था। उस समय घरेलू उत्पादन घट गया था और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मांग बढ़ गई थी। इससे घरेलू कीमतें बढ़ गईं और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की खरीद जोखिम में पड़ गई। अब 2026-27 के विपणन सत्र में अनुमानित फसल बढ़िया होने की संभावना है और दोनों सरकार और व्यापारियों के पास भारी भंडार है। 2025-26 सीजन में भारत में गेहूं का उत्पादन लगभग 11.8 करोड़ टन रिकॉर्ड किया गया। 31 मार्च 2026 तक केंद्रीय पूल में स्टॉक 1.82 करोड़ टन अनुमानित है, जबकि बफर स्टॉक आवश्यकता केवल 75 लाख टन। व्यापारियों के पास लगभग 75 लाख टन गेहूं मौजूद है, जो पिछले साल की तुलना में 32 लाख टन अधिक है।

घरेलू कीमतें उत्तर और पश्चिमी बाजारों में 2550-2680 रुपये/क्विंटल हैं, जबकि न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये/क्विंटल तय किया गया। भारतीय गेहूं की वैश्विक कीमत 270-280 डॉलर/टन, जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 197-270 डॉलर/टन है।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 7 पैसे की गिरावट के साथ ही 90.73 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसा टूटकर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में वैश्विक स्तर पर मामूली वृद्धि और देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट का भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.63 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि फिर 90.67 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया शुक्रवार को सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ पांच पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.66 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 96.93 पर रहा।

टी20 वर्ल्ड कप: कोलकाता में बड़ा उलटफेर होते-होते बचा, इटली से हांफते हुए जीती इंग्लैंड , सुपर 8 में एंट्री

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स में खेले गए टी20 विश्व कप मुकाबले में इंग्लैंड से व्यापक रूप से यह उम्मीद की जा रही थी कि वह इटली को आसानी से हरा देगी। इटली अपने पहले टी20 विश्व कप में खेल रही थी, इसलिए ज्यादातर लोगों को कम से कम एक प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन की ही उम्मीद थी। हालांकि, हैरी मैनेंटी की अगुवाई वाली टीम के इरादे कहीं बड़े थे। नेपाल पर 10 विकेट की शानदार जीत के बाद, इटली ने इंग्लैंड को कड़ी टक्कर दी और इतिहास रचने के बेहद करीब पहुंच गई, लेकिन अंततः 24 रनों से हार गई।

हैरी ब्रुक की अगुवाई वाली इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और यूरोपीय टीम के सामने 203 रनों का बड़ा लक्ष्य रखा। उन्होंने सफलतापूर्वक लक्ष्य का बचाव किया और मैच जीत लिया। फिल साल्ट (15 गेंदों में 28 रन) ने तूफानी शुरुआत दी, लेकिन जोस बटलर रन बनाने में नाकाम रहे और ग्रांट स्टीवर्ट के हाथों अपना विकेट गंवाने से पहले सिर्फ तीन रन ही बना पाए। जैकब बेथेल (20 गेंदों में 23 रन) और टॉम बैंटन (21 गेंदों में 30 रन) ने बल्ले से अच्छा योगदान दिया। सैम कुरेन ने दो छक्के लगाकर 25 रन बनाए।

सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए विल जैक्स ने सिर्फ 22 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाए, जिससे इंग्लैंड 200 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा। स्टीवर्ट और कृष्ण कलुगामेज ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जेजे स्मट्स, अली हसन और बेन मैनेंटी ने एक-एक विकेट साझा किया। 203 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए, इटली को पहले ही ओवर में दो विकेट का झटका लगा जब जोफ्रा आर्चर ने एंथनी मोस्का और जेजे स्मट्स को शून्य पर आउट कर दिया।

इटली के कप्तान हैरी मैनेंटी ने 11 गेंदों में मात्र 12 रन बनाए और जेमी ओवरटन के हाथों अपना विकेट गंवा दिया। उनके भाई बेन मैनेंटी (25 गेंदों में 60 रन, जिसमें चार चौके और छह छक्के शामिल थे) ने जस्टिन मोस्का (32 गेंदों में 43 रन, जिसमें सात चौके शामिल थे) के साथ चौथे विकेट के लिए 92 रनों की साझेदारी की। स्टीवर्ट की 23 गेंदों में खेली गई 45 रनों की तेज पारी ने इटली को मैच में बनाए रखा, लेकिन इंग्लैंड ने डेथ ओवरों में शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए उन्हें 20 ओवरों

में 178 रनों पर रोक दिया। विल जैक्स को उनके मैच-विनिंग प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इटली गुरुवार को इसी मैदान पर वेस्ट इंडीज के खिलाफ अपना आखिरी ग्रुप स्टेज मैच खेलेगी।

रोहित और अकरम गर्मजोशी से मिले, सोशल मीडिया में आई तस्वीरें

कोलंबो (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच रविवार को हुए टी20 विश्वकप मुकाबले में जहां भारतीय टीम ने पाक खिलाड़ियों से दूरी बनाये रखी। वहीं भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम गर्मजोशी से मिले। इस दोनों के बीच काफी अच्छी कैमेस्ट्री नजर आयी। ये दोनो ही गले मिलते देखे गये। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। रोहित और अकरम को मैच से पहले बातचीत करते, हाथ मिलाते और गले लगते देखा गया। रोहित आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के ब्रांड एंबेसडर के तौर पर कोलंबो पहुंचे थे जबकि अकरम कमेंटेटर के रुप में यहां आये है। रोहित भारतीय टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ से भी मिले और उनसे हाथ मिलाया और शुभकामनाएं दीं।

भारत-पाक मैच से पहले रोहित और अकरम आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता के साथ मिलकर टी20 विश्व कप की ट्रॉफी मैदान पर लेकर पहुंचे। इससे पहले दोनों ने दोस्ताना अंदाज में बातचीत की, फोटो खिंचवाई और एक-दूसरे को गले भी लगाया। प्रशंसकों ने इन दोनो दिग्गजों की इस मुलाकात को बेहद पसंद किया है। सोशल मीडिया पर इसको लेकर भी प्रतिक्रियाएं आयी हैं। इस मैच में भारतीय टीम ने पाक को आसानी से हरा दिया। इस प्रकार भारतीय टीम ने आठवीं बार पाक को हराया।

टी20 विश्वकप : अफगानिस्तान ने यूएई को पांच विकेट से हराकर सुपर आठ की उम्मीदें बनाये रखीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने आईसीसी टी20 विश्वकप के ग्रुप डी के मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को पांच विकेट से हरा दिया। ये अफगान टीम की इस टूर्नामेंट में पहली जीत है। इस मैच में अफगान टीम ने टॉस जीतकर यूएई को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। यूएई ने सोहैब खान 68 और अलीशान शराफू 40 के अच्छे प्रदर्शन से 20 ओवर में 9 विकेट पर 160 रन बनाये। इसके बाद अफगान टीम ने जीत के लिए मिले 161 रनों के लक्ष्य को पांच विकेट खोकर 19.2 ओवर में ही हासिल कर लिया। यूएई की ओर से मोहम्मद अरफान और जुनैद सिद्दीकी ने 2-2 विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी रही। इब्राहित जादरान 53 ने अच्छी बल्लेबाजी की। वहीं अजमतुल्लाह ओमारजाई 40 रन ने विजयी शॉट लगाया। इस जीत से अफगान टीम के सुपर 8 में पहुंचने की संभावनाएं बरकरार हैं। अब उसे अंतिम लीग मुकाबले में कनाडा को हराना होगा। इस मैच में अफगानिस्तान के स्पिनर राशिद खान ने अपना 700 विकेट भी लिया। अब व इस फॉर्मेट में 700 विकेट लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। राशिद ने मुहम्मद अरफान को आउट करने के साथ ही अपना 700वां विकेट लिया।।

टी20 क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट के मामले में वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर डवेन ब्रावो के नाम 631 विकेट जबकि सुनील नरेन के नाम 613 विकेट हैं।

टी20 विश्कप के सुपर आठ में पहुंची भारत और वेस्टइंडीज, तीन टीमें बाहर हुईं

कोलंबो (एजेंसी)। भारत सहित दो टीमें आईसीसी टी20 विश्वकप के सुपर आठ में पहुंच गयी हैं। भारत ने पाकिस्तान को यहां 61 रनों से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी। भारत से पहले वेस्टइंडीज ने सुपर आठ में जगह बनायी थी। वहीं अलग-अलग ग्रुप की 3 टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं, इनमें ओमान, नेपाल और नामीबिया जैसे एसोसिएट देशों की टीमें हैं। ग्रुप डी से हालांकि अभी तक कोई भी टीम न तो बाहर हुई है और न ही सुपर आठ में पहुंची है।

ग्रुप ए से भारतीय टीम अपने पहले 3 मैच जीतने के साथ ही सुपर 8 में पहुंची है। वहीं इस ग्रुप में दूसरे नंबर पर अमेरिका की टीम है, उसने अब तक 4 में से दो मैच जीते हैं जबकि पाकिस्तान तीसरे स्थान पर है उसने 3 में से 2 मैच जीते हैं। नीदरलैंड ने 3 में से एक मैच जीता है जबकि नामीबिया अपने सभी मैच हारकर बाहर हो गयी है।

ग्रुप बी की बात करें तो श्रीलंका की टीम दो मैच जीतने के बाद पहले शीर्ष पर है जबकि दूसरे नंबर पर जिम्बाब्वे की टीम है, उसने भी अब तक दो मैच जीते हैं। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है, वह 2 में से एक मैच हारी है। चौथे नंबर पर आयरलैंड ने 3 में से एक मैच ही जीता है। अपने सभी मैच हार कर अंतिम स्थान पर ओमान है। ग्रुप सी की अंक तालिका में वेस्टइंडीज की

टीम नंबर एक पर रहने के साथ ही सुपर 8 में पहुंच गयी है। उसने 3 मैच जीत लिए हैं। इंग्लैंड 3 में से दो मैच जीतकर दूसरे स्कॉटलैंड 3 में से एक मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है। इटली की टीम 2 में से एक मैच जीती है, जो चौथे पायदान पर है और नेपाल अपने पहले तीन मैच हारने के बाद बाहर हो गई है।ग्रुप डी में दक्षिया अफ्रीका की टीम 3 मैच जीतकर 6 अंकों के साथ नंबर एक पर है। दो और टीमें उसके करीब हैं पर नेट रन रेट के आधार पर दक्षिण अफ्रीका का सुपर 8 में पहुंचना तय है।

पाकिस्तान की हार के बाद पीसीबी प्रमुख नकवी पर भड़के अख्तर, नाकाबिल लोग देश का क्रिकेट चला रहे

लाहौर । भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप के लीग मुकाबले में पाकिस्तान टीम की करारी हार के बाद पूर्व क्रिकेटर शोएब अख्तर भड़क गये। रावलपिंडी एक्सप्रेस के नाम से मशहूर रहे अख्तर ने इस हार के लिए पाक बोर्ड (पीसीबी) चेयरमैन मोहसिन नकवी को जिम्मेदार बताया है। अख्तर ने टीवी पर ही नकवी को जाहिल और नाकाबिल बताया। भारतीय टीम ने इस मैच को आसान से 61 रनों से जीत लिया। मैच के बाद अख्तर से जब उनकी पहली प्रतिक्रिया मांगी तो उन्होंने कहा, जिस आदमी को नहीं पता कि कैसे क्रिकेट चलानी है आज वही बोर्ड चेयरमैन बना हुआ है। ऐसे में किस प्रकार टीम चलेगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है? इसके साथ ही उन्होंने नाम लिए बिना ही बाबर आजम को निशाना बनाया और कहा कि जिसकों सुपरस्टार का तमगा दिय है। वह एक भी मैच नहीं जिता सका है । इस पूर्व तेज गेंदबाज ने साथ ही कहा, दुनिया का सबसे बड़ा अपराध किसी नाकाबिल को कमान देना है। इसका कारण है कि वह देश को तबाह कर देता है। यही हमारे साथ हुआ है। शोएब ने इस बयान में नकवी का नाम तो नहीं लिया पर वहीं पीसीबी प्रमुख है, इसलिए जो कुछ भी शोएब ने कहा है वह तय है कि नकवी के लिए ही है। समय बोर्ड के चेयरमैन वही हैं तो उनका कहना नकवी के लिए ही था ।पाकिस्तान की यह टी20 विश्व कप के मैचों में भारतीय टीम के खिलाफ आठवीं हार है। भारत और पाकिस्तान के बीच अब तक टी20 विश्व कप में 9 मुकाबले खेले गए हैं और इसमें एक बार ही पाक टीक जीत पायी है। पाक टीम साल 2021 के टी20 विश्व कप में बाबर आजम की कप्तानी में जीती थी। इससे पहले एशिया कप में भी पाक को भारतीय टीम ने हराया था।

अभिषेक के बल्ले से नहीं निकल रहे रन, इस साल चौथी बार शून्य पर आउट हुए

मुम्बई । भारतीय टी20 टीम के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा इस साल की शुरुआत से ही खामोश है, पाकिस्तान के खिलाफ अहम मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही आउट हो गये। अभिषेक अब तक टी20 विश्कवप में भी रन नहीं बना पाये हैं। अभिषेक ने अब तक इस टूर्नामेंट में दो मेच खेले हैं पर वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं। दोनों ही मैचों में वह अपना खाता भी नहीं खो पाये। इससे एक साल में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले वे भारत के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं।अभिषेक ने 7 फरवरी को टी20 विश्व कप में डेब्यू किया। अमेरिका के खिलाफ पहले मैच में उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक भी रन नहीं बना पाये। इसके बाद दिल्ली के नामीबिया के खिलाफ वह खेल नहीं पाये। इसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ वापसी करते हुए भी उनसे धमाकेदार पारी की उम्मीद थी पर वह शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये जबकि माना जा रहा था कि जिस प्रकार उन्होंने पिछले साल रन बनाये थे उसी प्रकार वह इस बार भी बनायेंगे। साल 2026 में यह चौथी बार है, जब अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में खाता नहीं खोल पाये हैं। पिछले 6 मैचों में वह 4 बार शून्य पर आउट हुए हैं। गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकॉर्ड संजू सैमसन का है, जो पिछले साल 2025 में 5 बार शून्य पर आउट हुए हैं। अभिषेक इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली गई पांच मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे और चौथे मुकाबले में भी शून्य पर ही आउट हो गये थे। कुल मिलाकर अभिषेक शर्मा का टी20 क्रिकेट में पांचवां शून्य है, क्योंकि टी20 क्रिकेट में उनकी शुरुआत ही जीरो के साथ हुई थी। हालांकि, इसके बाद लगातार बड़ी-बड़ी पारियां खेलकर उन्होंने अपने को साबित किया पर इस बार 7 मैचों में से चार मैचों में वह एक भी रन नहीं बना पाये हैं ।वहीं सैमसन ने पिछले साल 5 पारियों में एक भी रन नहीं बनाया था। अभिषेक चार पारियों में इस बार शून्य पर आउट हुए हैं।

जिम्बाब्वे से जब-जब हारी है ऑस्ट्रेलिया, भारतीय टीम बनी है विजेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में जिम्बाब्वे ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराया हैं। उससे भारतीय प्रशंसकों में उत्साह है और उन्हें लग रहा है कि इस बार भी भारतीय टीम खितेगीजीतेगी। इस कारण एक अजब संयोग हैं जो जिम्बाब्वे की कंगारुओं के खिलाफ जीत से जुड़ा है । इतिहास में दो बार ऐसा हुआ जब ऑस्ट्रेलिया की टीम जिम्बाब्वे से हारी है तो उसका लाभ भारतीय टीम को मिला है। साल साल 1983 के एकदिवसीय विश्वकप जिम्बाब्वे की टीम ने 13 रन से ऑस्ट्रेलिया के हराया था। इसके बाद भारतीय टीम ने विस्ट इंडीज को हराकर पहली बार खिताब जीता था। वहीं साल 2007 के टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने 5 विकेट से ऑस्ट्रेलिया को हराया था। जब भी भारतीय टीम महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में

जीती थी। वहीं इस बार भी जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराकर पहला उलटफेर किया है। जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया की पूरी बल्लेबाजी को सिर्फ 146 रन पर समेट दिया। इस हार के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सुपर 8 में में पहुंचना तक कठिन हो गया है। वह ग्रुप बी की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गयी हैं। 19 साल बाद किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को हराया है।ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा था पर उसकी शुरुआत अच्छी नहीं रही और पहले पांच से ही जिम्बाब्वे के गेंदबाज हावी हो गये। ब्लेसिंग मुजाराबानी ने जोश इंग्लिस को जल्दी आउट कर शुरुआत की, वहीं ब्रैड इवांस ने कैमरून ग्रीन और ट्रैविस हेड को पेवेलियन भेजा था। टिम डेविड भी बिना खाता खोले मुजाराबानी का शिकार बने, जिससे ऑस्ट्रेलिया का मध्यक्रम ध्वस्त हो गया।

कैनबरा होटल मामला : पीएसबी ने दिए भुगतान के सबूत, पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में

कराची । पाकिस्तानी हॉकी टीम के लिए आस्ट्रेलिया में होटल बुकिंग के एक करोड़ पाकिस्तानी रूपए से अधिक के भुगतान के सबूत पाकिस्तान खेल बोर्ड (PSB) द्वारा दिए जाने के बाद अब पाकिस्तान हॉकी महासंघ विवाद के घेरे में आ गया है। पाकिस्तान हॉकी टीम को सिडनी हवाई अड्डे पर 13 से 14 घंटे इंतजार करना पड़ा क्योंकि कैनबरा की फ्लाइट लेने से पहले पीएचएफ न खिलाड़ियों और अधिकारियों के हवाई अड्डे पर रूकने या खाने का कोई इंतजाम नहीं किया था जिससे पीएचएफ और पीएसबी की काफी आलोचना हो रही थी। FIH प्रो लीग के लिए कैनबरा पहुंचने के बाद पाकिस्तानी टीम के पास होटल नहीं था क्योंकि पीएचएफ ने भुगतान नहीं किया था। लाहौर से आस्ट्रेलिया का 24 घंटे का सफर तय करने के बाद खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ चार सितारा होटल पहुंचे जहां उन्हें बताया गया कि उनके नाम पर कोई बुकिंग नहीं है। खिलाड़ियों को अपने लगैज के साथ कैनबरा में होटल के बाहर लंबा इंतजार करना पड़ा जिसके बाद कैनबरा में रहने वाले पाकिस्तानियों ने सस्ते एयरबीएनबी होटल का इंतजाम किया। अगले दिन पाकिस्तान ऑस्ट्रेलिया से पहला मैच हार गया। PSB ने अब PHF को 28 जनवरी को होटल के इंतजाम के लिए किए गए एक करोड़ और पांच लाख रूपए के चेक की फोटोकॉपी जारी कर दी है। इससे साबित होता है कि क्लब ने एयर टिकट और होटल के अलावा दैनिक भत्ते का भी भुगतान कर दिया था। क्लब अपनी ओर से कहता रहा कि खिलाड़ियों और अधिकारियों को ऑस्ट्रेलिया में कोई तकलीफ नहीं हुई। वैसे यह पहली बार नहीं हुआ है कि क्लब अधिकारी आर्थिक मामलों को लेकर विवाद में पड़े हों।

खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर-शाहीन की हो सकती है छुट्टी, पाकिस्तान टीम के सूत्र ने दी बड़ी जानकारी

कराची । भारत के खिलाफ कोलंबो में अहम मुकाबले में नाकाम रहने के बाद नामीबिया के खिलाफ टी20 विश्व कप के अगले मैच में खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम और शाहीन शाह अफरीदी की पाकिस्तानी टीम से छुट्टी हो सकती है। पाकिस्तानी टीम प्रबंधन के विश्वस्त सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमुख मोहसिन नकवी ने भारत से मिली 61 रन से हार के बाद टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा को नाराजगी जता दी है। सूत्र ने कहा, 'PCB अध्यक्ष प्रेमदासा स्टेडियम से मैच खत्म होने से पहले ही चले गए क्योंकि पाकिस्तान की हार तय हो चुकी थी।' सूत्र ने यह भी कहा कि नकवी ने पीसीबी के एक आला अधिकारी के जरिये मैनेजर को संदेश दिया है कि इस तरह का प्रदर्शन स्वीकार्य नहीं है। कोच माइक हेसन ने भी ड्रेसिंग रूम में टीम से बात करके कहा कि उन्होंने अपनी क्षमता के अनुरूप नहीं खेला। सूत्र ने कहा, 'टीम प्रबंधन ने तय किया है कि अब बहुत हो चुका और बाबर आजम तथा शाहीन को आराम देकर सलमान मिर्जा और नसीम शाह या फखर जमां को उतारा जाए।'

21 फरवरी को मेसी के बिना ही उतरेगी इंटर मियामी

फोर्ट लॉडरडेल । इंटर मियामी को 21 फरवरी को होने वाले मेजर लीग फुटबॉल (एमएलएस) कप के पहले मैच में स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी के बिना ही उतरना होगा। मैसी के बायीं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण इस मैच तक फिट होने की संभावना नहीं है।इंटर मियामी की टीम ने कहा है कि मेसी चोटिल और उपचार के दौर से गुजर रहे है। एमएलएस सत्र में लगातार दो बार के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे मेसी ने पिछले सप्ताह मेंइक्वाडोर में अभ्यास सत्र से पहले खेले गए मैच में एक गोल दागा था पर दूसरे हाफ के दौरान ही उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इस कारण वह मैदान से बाहर आ गये थे। इसी को लेकर इंटर मियामी ने कहा, अभ्यास में उनकी वापसी आने वाले दिनों में उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगी। वहीं अगर मेसी नहीं खेलते तो ये टीम के लिए करारा झटका होगा। मेसी को क्लब कितन अहम मानना है उसका अंदाजा इसी से होता है कि पिछले अक्टूबर में इंटर मियामी ने उनके साथ अनुबंध को तीन साल के लिए बढ़ा दिया था।

'यह कोई बड़ा मैच नहीं है', टी20 विश्वकप में भारत-पाक मुकाबले पर सौरव गांगुली का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी पुरुष टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप ए मुकाबले में भारत के अपने कट्टर दुश्मन पाकिस्तान पर 61 रन से जीत दर्ज करने के बाद भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली का मानना है कि भारत और पाकिस्तान के बीच अपने आप होने वाले 'बड़े मैच' का आइडिया पुराना हो गया है क्योंकि जो इंटेंसिटी और कॉम्पिटिशन कभी इस मुकाबले को दिखाता था, वह अब वैसा नहीं लगता।

पिछले चैंपियन भारत की पाकिस्तान पर जीत ने सुपर 8 में भी उनकी जगह पक्की कर दी। ईशान किशन के 77 रन ने माहौल बना दिया था और भारत के गेंदबाजों ने यह पक्का किया कि 176 का लक्ष्य हमेशा पहुंच से बाहर रहे जिससे पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर आउट हो गया। IANS से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तान टीम की तुलना उस महान टीम से नहीं की जा सकती जिसमें जावेद मियांदाद और वसीम अकरम जैसे खिलाड़ी थे।

गांगुली ने कहा, 'अब कोई बड़ा मैच नहीं होता, पहले ऐसे मैच हुआ करते थे। हम पाकिस्तान को जावेद मियांदाद, वसीम अकरम और शाहिद तनवीर की टीम समझने की गलती करते हैं, लेकिन अब वह पाकिस्तान नहीं है।' रविवार की जीत के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 8-1 कर लिया है। पाकिस्तान सिर्फ एक बार (2021 में) जीत पाया था।

गांगुली ने कहा, 'तो मेरे हिसाब से, यह कोई बड़ा मैच नहीं है। मेरे लिए असली बड़े मैच भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, भारत बनाम साउथ अफ्रीका और भारत बनाम इंग्लैंड हैं। टीमों के बीच बहुत बड़ा अंतर है, इसलिए नतीजा कुछ हद तक उम्मीद के मुताबिक है। नतीजे से ज्यादा क्वालिटी में अंतर दिखता है।'

भारत ने एक मैच बाकी रहते सुपर 8 में क्वालिफाई कर लिया है। पाकिस्तान को अब इवेंट के सुपर 8 फेज के लिए अपने आखिरी ग्रुप ए मैच में नामीबिया को हराना होगा। भारत अपने लीग स्टेज कैंपेन का अंत 18 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में नीदरलैंड्स के खिलाफ मैच के साथ करेगा।

चिरयुवा बनाए फेशियल

डायमंड फेशियल

धूल-मिट्टी के कारण त्वचा के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं जिससे उन्हें पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिलता। इससे त्वचा रूखी हो जाती है, इसमें डायमंड फेशियल कारगर है। इसके जरिए त्वचा से विषैले पद्धार्थों को निकाला जाता है। इस अत्याधुनिक तकनीक को 'डायमंड माइक्रो- डर्मेब्रेशियन' कहते हैं। एक उम्र के बाद त्वचा की कोशिकाएं(सेल्स) शिथिल पड़ जाती हैं और उसमें झुर्रियां आने लगती हैं। यह त्वचा को पोषण भी देता है जिससे नयी कोशिकाएं बननी शुरू होती हैं। इस प्रक्रिया में सबसे पहले चेहरे को क्लींजिंग मिल्क से साफ किया जाता है। उसके बाद डायमंड स्क्रब के द्वारा त्वचा के मृत सेल्स को हटाया जाता है। स्क्रब के बाद चेहरे पर डायमंड की भस्म से मसाज किया जाता है। भस्म के अलावा क्रीम में कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज या खस के साथ मिलाकर प्रयोग किया जाता है जिससे भस्म त्वचा की मृत कोशिकाओं तक पहुंच सके।

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल

एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल में एमेरल्ड, रूबी, सफायर और टोपाज जैसे रत्नों के भस्म द्वारा चेहरे पर कलर वाइब्रेशन दिया जाता है। जेम स्टोन से निकलने वाले वॉयलेट, इंडिगो, ब्लू, ग्रीन, यलो, ऑरेंज और रेड कलर्स मनुष्य के शरीर पर पहले से ही विघमान होते हैं। बल्कि हमारी कोशिकाएं इन सात रंगों से ही बनती हैं पर नकारात्मक तरंगों के कारण ये रंग अथवा कोशिकाएं प्रभावित होके हैं जिससे त्वचा मृत पड़ जाती है। एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल के द्वारा इन रंगों अथवा कोशिकाओं को पुष्ठ किया जाता है। यह फेशियल न सिर्फ त्वचा को ही चिरयुवा बनाता है अपितु मानसिक शांति और ऊर्जा भी प्रदान करता है। यदि व्यक्ति एस्ट्रो जेम थेरेपी फेशियल लगातार करवाता रहे तो लंबे समय तक उसके चेहरे पर झुर्रियां नहीं पड़ती हैं और न त्वचा ढीली पड़ती है। इसमें प्रयोग किए जाने वाले रत्नों-नगों का प्रयोग व्यक्ति के जन्म महीने और उसके नक्षत्रों के आधार पर ही किया जाता है। इसमें इन रत्नों के भस्म के साथ ही कमल के बीज, खजूर, तुलसी, संतरे का तेल, गाजर के बीज और खस की नरीशिंग क्रीम का भी प्रयोग किया जाता है। इसमें मसाज के लिए विभिन्न तरह के रोलर का इस्तेमाल किया जाता है। चेहरे के सभी हिस्सों के साथ आंख और नाक पर विशेष तरह के छोटे साइज के रोलर लगाए जाते हैं।

गोल्ड फेशियल

सोना सबसे लचीली धातु होती है इसलिए इसका भस्म त्वचा में आसानी से घुल जाता है। यह फेशियल त्वचा पर सुनहरी चमक लाता है। शरीर के भीतर उपस्थित विषैले पद्धार्थ को हटाकर यह रक्त संचार बढ़ाता है। गोल्ड फेशियल में 24 कैरैट के गोल्ड जेल, गोल्ड स्क्रब और गोल्ड मास्क का प्रयोग किया जाता है। एलो वेरा, व्हीटजर्म ऑयल या चंदन के तेल में सोने की पत्ती को मिलाकर मसाज किया जाता है। क्लींजिग करने के बाद गोल्ड स्क्रब लगाया जाता है। गोल्ड जेल लगाने के लिए एक खास तरह के गजेट का इस्तेमाल किया जाता है। अंत में गोल्ड मास्क लगाया जाता है, जो त्वचा पर झुर्रियां बनने को रोकता है।

पर्ल फेशियल

पर्ल फेशियल आयुर्वेद की 400 साल पुरानी पद्धति पर आधारित है जिसके जरिए त्वचा की झुर्रियों को हटाकर उसमें खिंचाव पैदा किया जाता है। इसमें प्राकृतिक मोती के पाउडर का प्रयोग किया जाता है। यह सच्चाई है कि मोती सूरज की किरणों से होने वाली टअनिंग और पिगमेंटेशन को रोकता है। यह सूर्य की किरणों को छानता भी है। मोती त्वचा की कोशिकाओं को पुन: बनाने में सहायक होता है। यह अमीनो एसिड की ही तरह शरीर के लिए पोषक तत्व का कार्य करता है। साथ ही यह हमारे पीएच बैलेंस को भी कंट्रोल करता है। पर्ल फेशियल में मोती के पाउडर का स्क्रब और मास्क भी लगाया जाता है। फेशियल के दौरान इसमें सी ऑयल भी मिलाया जाता है ताकि त्वचा की नमी बरकरार रहे।

ऑक्सीजन फेशियल

ऑक्सीजन फेशियल के द्वारा त्वचा के बंद रोमछिद्रों को खोलकर उन्हें ऑक्जीनेट किया जाता है ताकि त्वचा के भीतरी हिस्से तक ऑक्सीजन पहुंच सके। ऑक्सीजन स्क्रब, मसाज और मास्क के द्वारा रक्त संचार बढ़ता है। ऑक्सीजन स्किन यूथ क्रीम के द्वारा मसाज किया जाता है जिसमें अमर बऐल, दरबा, बाबची और व्हीटजर्म क्रीम मिलाई जाती है। मास्क में नीले रंग के छोट-छोटे कैप्सूल इस्तेमाल किए जाते हैं, जिनमें व्हीटजर्म होता है।

एरोमा थेरेपी फेशियल

एरोमा थेरेपी फेशियल काफक्ष पुरानी पद्धति है। एरोमा थेरेपी में प्राकृतिक तेलों की सुगंध द्वारा फेशियल किया जाता है। यह त्वचा की एलर्जी, पिगमेंटेशन और रूखेपन को ठीक करता है। इस फेशियल में हर्बल तेल और हर्बल एक्सट्रैक्ट के प्रयोग से चेहरे का मसाज किया जाता है। इससे स्कीन की टोनिंग होती है और रक्त संचार भी बढ़ता है।

मीठा पोंगल

सामग्री: 3 कप दूध, 5 कप पानी, 200 ग्राम चावल, 75 ग्राम मूंग दाल छिलके वाली, 200 ग्राम खजूर का गुड़, 5 इलायची, 25 ग्राम नारियल किसा, 50 ग्राम शुद्ध घी, 50 ग्राम काजू टूकड़े किए व भुने, 3 छोटे चम्मच किशमिश।

विधि: दूध और पानी को भारी तले वाले बर्तन में उबलने रख दें। चावल और मूंग को धोकर इसमें मिला दें। पानी सूखने तक पकाएं और फिर गुड़ मिलाएं। जरूरत हो, तो थोड़ा-सा दूध या पानी और मिलाकर चलाएं। ध्यान दें कि चावल और दाल तले में चिपकें नहीं। मिश्रण पक जाए, तब इसमें काजू, किशमिश और नारियल मिलाएं। अंत में घी को पिघलाकर इसमें डालें। एक बार मिला लें और आंच से उतार लें। पोंगल को गर्मा-गर्म ही सर्व करें।

खुश्क मौसम में बालों के लिए 10 टिप्स

'इट्स द टाइम टू बी केयरफुल', यह मंत्र न सिर्फ हेल्थ के लिए है बल्कि हमारी स्किन और हमारे बालों के लिए भी उतना ही जरूरी है। स्किन की केयर तो हम फिर भी कर लेते हैं लेकिन बालों की आर हमारा ध्यान जाता ही नहीं है। जिससे बालों की नमी खो जाती है, ऑयल भी कम हो जाता है। बाल ड्राई होने के साथ ही डिहाइड्रेटेड हो जाते हैं, डैंड्रफ भी अपनी जड़ें जमा लेता है। कॉस्मेटोलॉजिस्ट भारती तनेजा बता रही हैं, इस खुश्क मौसम में बालों को सुरक्षित और खूबसूरत रखने के बेहतरीन उपाय :

- बालों को रूखेपन से बचाने के लिए ऑयलिंग बहुत जरूरी है। सप्ताह में दो से तीन बार ऑयलिंग करें, रात भर तेल लगा रहने दें, सुबह शैम्पू करें।
- बालों में शैम्पू के बाद कंडीशनर लगाना जरूरी है। यदि बाल कुछ ज्यादा ही रूखे हैं तो बाजार में उपलब्ध क्रीम कंडीशनर का इस्तेमाल करना चाहिए।
- चाहें तो लिव-इन कंडीशनर का भी प्रयोग किया जा सकता है, इसे लगाने के बाद बालों को धोया नहीं जाता।
- बाहर निकलते समय बालों को स्कार्फ से ढक कर रखना चाहिए।
- एरोमाथेरेपी ऑयल से बालों का मसाज कीजिए। उसके बाद बालों को स्टीम दीजिए।
- पार्लर में बालों के लिए विशेष स्पा मौजूद है, इन्हें आजमा सकती हैं। महीने में दो-तीन बार यह कराना चाहिए।
- बालों में नमी के लिए घर में भी पैक तैयार किया जा सकता है। दूध, अंडे की जर्दी या केला, शहद को मिलाकर बालों पर लगाएं। आधे घंटे के बाद धो दें।
- डैंड्रफ से छुटकारा पाने के लिए सेब का जूस रूई की मदद से स्कल्प पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को धो लें।
- रूसी के निदान के लिए स्कल्प पर प्याज का जूस भी लगा सकते हैं। लगाने के आधे घंटे बाद शैम्पू कर लें।
- बाल धोने के बाद अपनी कंघी, तौलिया और तकिए के गिलाफ को एंटीसेप्टिक लोशन में आधे घंटे डुबोने के बाद धो दें। धूप में सुखाएं।

फास्ट-माइंडेड बच्चे

हर मां-बाप अपने बच्चे को 'परफेक्ट चाइल्ड' के रूप में देखना चाहते हैं। इसलिए बच्चे पढ़ाई के अलावा डांस, जूडो और म्यूजिक भी सीख रहे हैं। उनकी पर्सनालिटी को संवारने के लिए स्कूलों में कम्युनिकेशन स्किल्स, बॉडी लैंग्वेज को सुधारने के लिए स्पेशल क्लासेज ली जाती हैं।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास के लिए अभिभावक को उनके स्ट्रांग प्वाइंट को देखते हुए उन्हें उस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए, जिसमें उनकी रूचि होती है। बच्चों को भाषण देने के बजाय अपनी गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। पेरेंट्स को पीटीएम में जाना चाहिए और पूरी जानकारी रखनी चाहिए कि उनका बच्चा स्कूल में क्या करता है। स्कूलों में बढ़ती प्रतियोगिता की वजह से बच्चों की जिंदगी की गाड़ी 'फास्ट-ट्रैक' पर चल रही है। शायद इसी वजह से उनमें गुस्से व चिड़चिड़ेपन की शिकायत आ रही है। इससे उन्हें बचाकर रखने के लिए पेरेंट्स को घर में प्यार भरा माहौल बनाकर रखने की कोशिश करनी चाहिए। अपने निजी तनाव को बच्चों के सामने नहीं लाना चाहिए। बच्चों की बातों को ध्यान से सुनने के अलावा उन्हें ज्यादा डांटना नहीं चाहिए वरना वे अपने मम्मी-पापा से डरेंगे और अपनी बातों को उनसे कहने में कतराने लगेंगे।

बच्चों के व्यक्तित्व विकास में स्कूल भी एक अहम भूमिका निभाता है। स्कूल बच्चों के लिए जानकारी का 'इनकमिंग सोर्स' है। टीचर्स को बच्चों के प्रति अच्छा स्वभाव रखना चाहिए और भेदभाव नहीं करना चाहिए वरना इससे उनका मानसिक विकास कमजोर पड़ने लगता है।

स्कूलों के अलावा कुछ पर्सनालिटी डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट खुल रहे हैं, जहां बच्चों के अंग्रेजी शब्दों का उच्चारण व उनके पोश्चर को सुधारा जाता है। इसके अलावा घर में ग्रैंडपेरेंट्स के रहने से भी बच्चों को बहुत स्पेस मिलती है अपनी बातें कहने के लिए। ग्रैंडपेरेंट्स बच्चों के बेस्ट-फ्रेंड होते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): बुद्धि व धन का दुरूपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकुल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

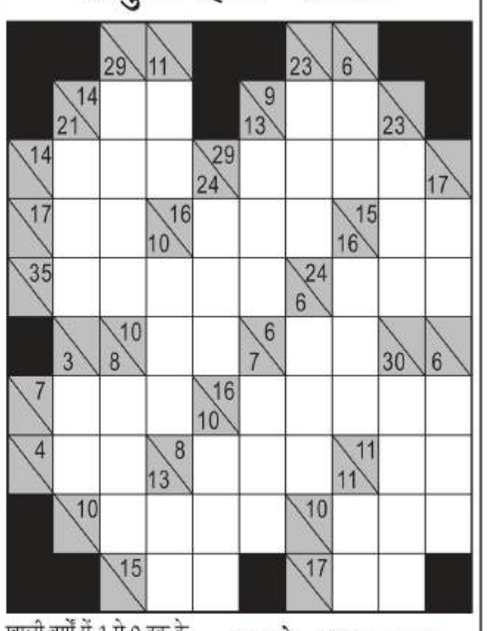

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3803

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए, किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3802 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक औरत का पति मर गया। वह बीमा कंपनी के ऑफिस जाकर मैनेजर से बोली- मैनेजर साहब, मेरे पति गुजर गए हैं। उनके बीमे का रुपया दिलवाइए।

मैनेजर बोला- इस घटना को सुनकर बहुत दु:ख हुआ।

औरत बोली- जरूर हो रहा होगा। मर्दों का हर जगह यही हाल है। जब भी औरत को चार पैसे मिलने का मौका आता है, उन्हें बड़ा दु:ख होता है।

नरेश की शादी एक अनपढ़ महिला से हो गई। शादी की पहली रात वह पति से बोली- आप तो बड़े ही अच्छे और दयालु इंसान हो जी। आपने तो मेरा उद्धार ही कर दिया।

इस पर नरेश ने कहा- ऐसी कोई बात नहीं है।

पत्नी बोली- मेरी भाभी और मेरी चाची हमेशा मुझे प्रताड़ित करती रहती थी और कहती थी कि तेरे जैसी मूर्ख से तो कोई गधा ही होगा जो शादी करके तेरा उद्धार करेगा।

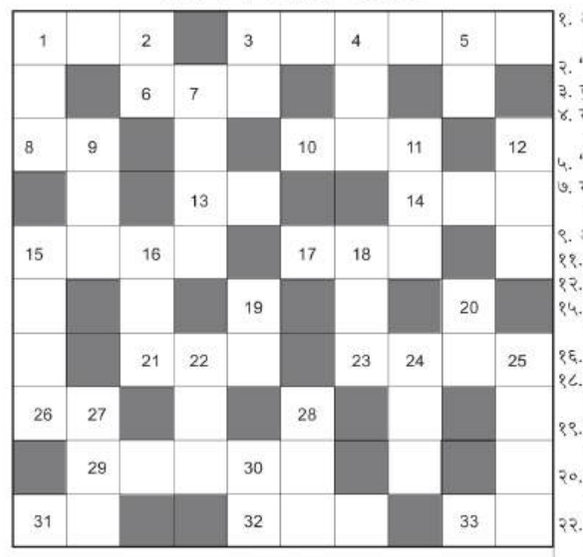

एक बार मिस्टर चमन चित्र प्रदर्शनी देख रहा था।

एक जगह रुक कर उसने कहा- छि:!!! क्या इसे आप मॉडर्न आर्ट कहते हैं?

संचालक- जी नहीं श्रीमान, आप गलत समझ रहे है। इसे तो हम आईना कहते हैं।

फिल्म वर्ग पहेली- 3803

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नताश्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नांडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3802

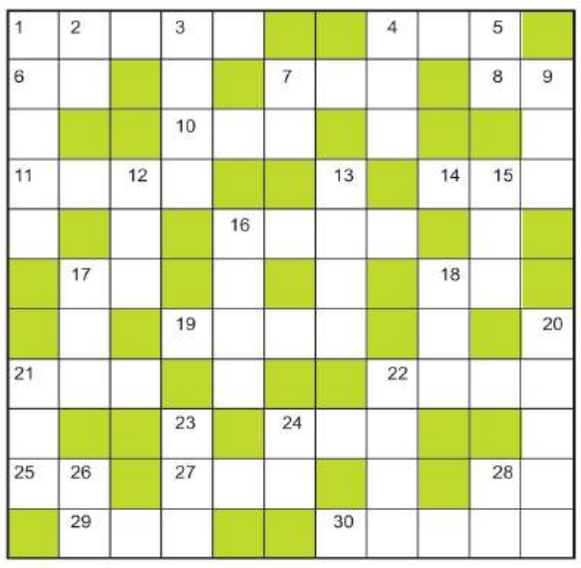

सूडोकु -3803

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3802 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 3803

बाएँ से दाएँ

1.असह्य,नागवार-5
4.कली-3
6.पराया,पंख-2
7.समुद्र-3
8.पिता की बहन-2
10.चौकसी,सुरक्षा-3
11.कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14.छल,धोखा-3
16.पक्षी,उड़ने वाला-4
17.उम्मीद-2
18.दौरा,पहरेदारी-2
19.धारण करना-4
21.आफत,मुसीबत-3
22.विदिर्ण-2,2
24.प्रकाशित-3
25.बल,जान-2
27.रसदार-3
28.जगत,दुनिया-2
29.नग,मूल्यवान पत्थर-3
30.तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे

1.जबरन उठा ले जाना-5
2.महोदय (अंग्रेजी-2)
3.नीलिमा-4
4.कुंती पुत्र,राधेय-3
5.वश,अधीन-2
7.संपूर्ण,पूर्ण-2
9.शिकार-3
12.असली,शुद्ध-3
13.हठ करना,रोना -4
15.हारा हुआ,पराजित-3
16.मशवरा,सलाह-4
17.विश्राम-3
18.अभिमान-3
20.भयभीत होना-2,3
21.संभवत:-3
22.टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23.तरना,स्वीमिंग-3
24.इसे मकड़ी बुनती है-2
26.जी,चित-2
28.संपत्ति-2

शब्द पहेली -3802 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी